राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार, 28 अक्टूबर-2021 वर्ष-4, अंक-277 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सूरत में कॉलेज के छात्र को चाकू मारा, सूचना देने पर कथित तौर पर हमला

क्रांति समय ,सूरत

सूरत के वाड रोड कटारगाम इलाके में हरिओम सोसाइटी के एक कॉलेज के युवक पर 3 लोगों ने हमला कर दिया. कॉलेज के एक घायल युवक को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. फिलहाल चौक बाजार पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। हमलावर मोपेड पर आए थे।हरिओम सोसायटी में खड़े विपुल नाम के युवक पर हमला कर दिया गया। विपुल बीकॉम प्रथम वर्ष में पढ़ रहा है। विपुल की रिश्तेदार रमीलाबेन ने बताया कि घटना मंगलवार शाम की है. मेरे भतीजे का पालन-पोषण विपुल हरिओम सोसाइटी में हुआ। फिर विपुल यहां अचानक तीन बार मोपेड पर क्यों खड़ा है। कहने का समय दिया।

छप्पू के घावों ने हमले की अवधि के बाद पहले के हमले में विपुल को मार डाला था। इससे पहले, हमलावर दो बार हथियारों के साथ विपुल के पीछे भाग चुके थे, रामलबन ने आरोप लगाया कि यह हमला शराब कारोबार में शामिल भरत पुरुषों द्वारा किया गया था, जैसे सुनील सोढिया और दो अन्य अज्ञात आईएसएमओ। सोसायटी में लगे सीसीटीवी को भी तोड़ दिया। विपुल फिलहाल एक निजी अस्पताल में भर्ती है। आरोप यह भी हैं कि विपुल ने बूटलेगर के ठिकाने को भी हथिया लिया।

डांग के चिचपाड़ा गांव के छात्र की चिखली के कुमार छात्रावास में गला घोंटकर हत्या

क्रांति समय ,सूरत

नवसारी के चिखली एपीएमसी मार्टयार्ड स्थित कुमार छात्रावास में डांग जिले के चिचपाड़ा गांव के एक छात्र की अकथनीय कारण से गला घोंटकर हत्या कर दी गई है. पुलिस ने छात्र के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और आगे की जांच कर रही है। डांग जिले के चिचपाड़ा गांव के 20 वर्षीय छात्र नितेश की चिखली एपीएमसी के कुमार छात्रावास में नायलॉन की रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी गई। हर कोई सोच रहा है कि विज्ञान स्नातक द्वितीय वर्ष के एक होनहार छात्र को अंतिम कदम क्यों उठाना पड़ा। घटना की सूचना चिखली पुलिस को दी गई और पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और परिवार को सूचना दी. पुलिस ने छात्र के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है और आगे की जांच कर रही है।

गाय के गोबर से बने 101 करोड़ दियों के साथ देशभर में मनाई जाएगी कामधेनु दीपावली

क्रांति समय ,सूरत

राजकोट, राष्ट्रीय कामधेनु आयोग ने गाय के गोबर से बने 101 दियों के साथ देशभर में कामधेनु दीपावली मनाने का आयोजन किया है। दिवाली पर राष्ट्रीय कामधेनु आयोग देशभर में लाखों परिवारों को गाय से बने दिये उपलब्ध कराएगा। इतना ही नहीं अनेक परिवारों को रोजगार देकर आत्मनिर्भर भारत अभियान और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वॉकल फोर लोकल मंत्र को भी सार्थक किया जाएगा। राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के अध्यक्ष डॉ. वल्लभ कथीरिया ने बताया कि दिवाली के त्यौहारों में गाय का गोबर श्रेष्ठ माना जाता है। गाय के गोबर से बने दियों से दिवाली पर देशभर को जगमगाने के लिए अलगअलग राज्यों के गौसंवर्धन आयोग, स्वयं सेवी संगठन, मंदिर-आश्रम, मठ, गौशाला और स्वैच्छिक संगठनों से संपर्क किया गया है। गाय के गोबर से बने दिये के इस प्रोजेक्ट को गोमय दीपक कामधेनु दिवाली का नाम दिया गया है। जिसमें गाय के गोबर से दीपक, शुभ-लाभ, लक्ष्मी और गणेश की मूर्ती समेत झालर-बेनर बनाए गए हैं। पिछले साल गाय के गोबर से 33 करोड़ दिये बनाए गए थे और इस वर्ष 101 दिये के साथ कामधेनु दिवाली मनाने का आयोजन किया गया है। इन दियों को राष्ट्रीय कामधेनु

आयोग द्वारा देशभर के लाखों परिवारों तक पहुंचाए जाएंगे। करीब 35 से 40 करोड़ लोगों को दिए उपलब्ध कराए जाएंगे। इस कार्य में महिला, सोसायटी के लोगों को जोड़कर वे अपने घर में गाय के गोबर से दिए बनाकर बेच सकें, इसका प्रशिक्षण भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए दिया गया है। आत्मनिर्भर भारत अभियान के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वॉकल फोर लोकल के मंत्र से इस प्रोजेक्ट के जरिए रोजगार भी उपलब्ध कराया जाएगा। डॉ. कथीरिया ने बताया कि गाय के गोबर से दिये बनाए जाने से गौपालकों और गौशालाओं को भी लाभ होगा। इतना ही नहीं गाय के गोबर से बने श्रेष्ठ दिए चीन के दियों को कड़ी टक्कर देंगे। इस साल लोग वॉकल फोर लोकन के मंत्र के साथ गाय के गोबर से बने दिये का उपयोग कर भारतीय संस्कृति के अनुसार दीपावली मनाएं। उन्होंने बताया कि मथुरा में इस वर्ष गाय के गोबर से बने दिए जलाकर दीपावली मनाई जाएगी। गाय के गोबर से दिये बनाने से एक ओर लोगों को रोजगार मिलेगा और दूसरी ओर पशुपालक भी आत्मनिर्भर होंगे।

लूट का शिकायतकर्ता ही निकला आरोपी, पुलिस ने तीन लोगों को किया गिरफ्तार

क्रांति समय ,सूरत

वलसाड, पारडी पुलिस ने रु 28 लाख की लूट की चंद घंटों में गुत्थी सुलजाते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी शिकायतकर्ता ही है, जिसने अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर नकली लूट की घटना

को अंजाम दिया है। पुलिस ने आरोपियों से रु 28 लाख की नकदी भी बरामद कर आगे की कार्रवाई शुरू की है। वलसाड जिले के पारडी पुलिस थान में रु 28 लाख की लूट का रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। शिकायतकर्ता दर्शन राजेश मायावंशी ने बताया कि वह रु 28 लाख की नकदी लेकर बैंक में जमा करने जा रहा था। उस वक्तबगवाडा सारण रोड पर उसकी मोटर साइकिल स्लीप हो गई और वह जमीन पर जा गिरा। उस वक्त अन्य मोटर साइकिल पर आए दो शख्स रु 28 लाख की नकदी लेकर फरार हो गए। रिपोर्ट मिलने के बाद वलसाड जिला पुलिस हरकत में आ गई और लुटेरों को धरदबोचने की कवायद तेज कर दी। हांलाकि रिपोर्ट दर्ज करने के बाद शिकायतकर्ता के व्यवहार को देख पुलिस को सबसे उसी पर शक हुआ और उससे अलग अंदाज में पूछताछ शुरूकर दी। पुलिस की सख्ती के आगे शिकायतकर्ता दर्शन मायावंशी सच उगल दिया, जिसे सुनकर पुलिस भी चौंक उठी। पूछताछ में पता चला कि दर्शन राजेश मायावंशी सिसको नामक प्राइवेट एजेंसी में काम करता है। दर्शन मायावंशी का काम कैश कलेक्शन का था जो वलसाड जिले के उदवाडा, संजाण, भिलाड समेत आसपास के इलाकों में एजेंसी से रेलवे स्टेशनों और ग्राहकों से रूपए लेकर वापी की बैंक में जमा कराना। लेकिन मोटी रकम देख दर्शन ने कथित लूट की योजना बनाई और उसमें अपने दोस्तों को शामिल कर लिया। बाद में नकली लूट की पारडी पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा दी। लेकिन पुलिस ने अपनी सूझबूझ से मामले की गुत्थी सुलझाते हुए दर्शन मायावंशी समेत उसके दोस्तों नैतिक और मनीष को भी गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरूकर दी।

अज्ञात कारणों से अधेड़ ने की आत्महत्या, स्युसाइड नोट में लिखा 'किडनी और लीवर' दान करना

क्रांति समय ,सूरत

सूरत, शहर के कापोद्रा में अधेड आयु के एक व्यक्ति ने अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। आत्महत्या से पहले अधेड ने स्युसाइड नोट में अपनी किडनी और लीवर दान करने का उल्लेख किया है। हांलाकि आत्महत्या की वजह का कोई उल्लेख नहीं किया। कापोद्रा पुलिस ने दुर्घटना मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

भावनगर के पालीताणा के मूल निवासी 45 वर्षीय भरत लाठिया सूरत के नीलकंठ एपार्टमेंट में पत्नी के साथ रहते थे। अहमदाबाद की एक कपड़ा फैक्ट्री में बतौर मैनेजर सेवारत भरत लाठिया की पत्नी ट्युशन क्लास चलाती है। जबकि पुत्र भावनगर में पढ़ाई कर रहा है और पुत्री का शादी हो चुकी है। ज्यादातर अहमदाबाद में रहनेवाले भरत लाठिया सोमवार को सूरत स्थित अपने निवास पर थे और उनकी पत्नी ट्युशन क्लास में गई थी।

भरत लाठिया ने पत्नी से फोन पर बात की और शाम को जल्द घर आने को कहा। जिसके बाद भरत लाठिया ने अपने घर में फांसी लगा ली। शाम को पत्नी लौटी तो भरत लाठिया को फांसी लगी हालत में देख स्तब्ध रह गई। सूचना पाते ही कापोद्रा पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी। घटनास्थल से पुलिस को स्युसाइड नोट मिली है, जिसमें आत्महत्या के कारण का उल्लेख नहीं है। स्युसाइड में लिखा 'मैं अपने शरीर से थक चुका हूं और लगातार मानसिवक तनाव की वजह से आत्महत्या कर रहा हूं। मेरे बेटे का ध्यान रखना और आत्महत्या के लिए किसी को परेशान मत करना। साथ ही मेरी किडनी और लीवर दान कर देना।' कापोद्रा पुलिस ने फिलहाल दुर्घटना मौत का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरूकी है।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा, वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर, ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

ताकि न बढ़े सक्रमण

रूस और ब्रिटेन में कोविड-19 के नए मामलों में वृद्धि की खबर के बाद अब चीन के शहर लानझोऊ में लॉकडाउन की वापसी कुछ चिंतित करने वाली है। लगभग 40 लाख की आबादी वाले लानझोऊ में मंगलवार से पूर्णबंदी लागू कर दी गई। इधर भारत में भी पश्चिम बंगाल में नए मामलों में वृद्धि को दुर्गा पूजा के दौरान लोगों द्वारा बरती गई असावधानी से जोड़कर देखा जा रहा है। गौरतलब है कि चीन हो या भारत, दोनों देश अपने-अपने यहां 100 करोड़ से अधिक खुराक दे चुके हैं और दोनों जगह पिछले कई हफ्तों से नए मामलों में उतार का क्रम देखा जा रहा था। ऐसे में, कुछ इलाकों में यदि नई बढ़ोतरी दिख रही है, तो स्थानीय प्रशासन के साथ-साथ केंद्रीय नियंत्रण बोर्ड को भी अतिरिक्त चौकसी बरतनी पड़ेगी। एक लंबे त्रासद अनुभव के बाद दुनिया भर में जिंदगी आहिस्ता-आहिस्ता अपनी लय में लौट रही है। देश की अर्थव्यवस्था के साथ-साथ आम आदमी की माली हालत भी अब और अधिक पाबंदी झेल सकने की स्थिति में नहीं है, यह देखते हुए ही भारत सरकार ने भी देश में लगभग सभी गतिविधियों को शुरू करने की इजाजत दी। हालांकि, स्वास्थ्य विशेषज्ञ और सरकार, स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बार-बार आगाह करते रहे हैं कि अभी कोरोना खत्म नहीं हुआ है, इसलिए किसी तरह की सार्वजनिक लापरवाही या प्रशासनिक उदासीनता घातक हो सकती है। इसमें कोई दोराय नहीं कि 100 करोड़ टीके की उपलब्धि और दैनिक मामलों के लगातार 20 हजार के नीचे बने रहने से देश के लोगों में सुरक्षा बोध गहरा हुआ है। लेकिन जिस तरह से लानझोऊ में डेल्टा वेरिएंट ने विषम परिस्थिति पैदा की है, वह आंखें खोलने के लिए काफी है। फिर इस वायरस की प्रकृति को लेकर भी वैज्ञानिक अभी तक अंतिम निष्कर्ष पर नहीं पहुंचे हैं। भारत के लिए अभी अतिरिक्त सावधानी इसलिए भी जरूरी है कि यह त्योहारी मौसम है। दिवाली, छठ, क्रिसमस जैसे बड़े पर्व-त्योहार आने वाले हैं और इस दौरान बड़े पैमाने पर भीड़भाड़ की आशंका होगी। हम पिछले कई अवसरों पर देख चुके हैं कि सार्वजनिक आयोजनों के बाद अचानक मामले बढ़ गए और मजबूरी में कई आयोजन रद्द करने पड़े। इसलिए यह समय जोश और होश के सही संतुलन का है। उत्साह में कोई कमी लाए बगैर थोड़ी सी सजगता से त्योहारों का लुत्फ उठाया जा सकता है। लेकिन इन दिनों बाजारों में जो भीड़ दिख रही है, उसमें कई सारे लोगों को बिना मास्क के देखा जा सकता है। ऐसे लोगों को एक तथ्य याद दिलाने की जरूरत है कि वैक्सीन बनाने वाली किसी भी कंपनी ने शत-प्रतिशत सुरक्षा का दावा नहीं किया है। निस्संदेह, पूर्ण टीकाकरण वायरस के बहुत घातक असर से हमें एक सुरक्षा कवच देता है। लेकिन किसी भी आशंका को निर्मूल करने का एकमात्र रास्ता अभी कुछ माह तक एहतियात बरतना ही है। ऐसे भी ब्योरे मिले हैं कि करोड़ों की तादाद में लोग अपनी दूसरी खुराक लेने नहीं पहुंचे। यह खतरनाक प्रवृत्ति है, जो इस महा-अभियान के लक्ष्य को गंभीर चोट पहुंचा सकती है। इसलिए, राज्य सरकारों और स्थानीय प्रशासन को मुस्तैदी के साथ पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित करना होगा। खासकर उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड की सरकारों को अधिक सावधानी बरतनी होगी, क्योंकि वहां बड़ी संख्या में दूसरे प्रदेशों से लोग दीपावली-छठ मनाने पहुंचेंगे।

'आज के ट्वीट

अकेला

अगर किसी को लगता है कि अकेले रहने से ज़्यादा बुरा और क्या हो सकता है, तो वे जान लें कि अकेले रहने से ज़्यादा दुखदायी होता है, ऐसे लोगों के साथ रहना जो आपको अकेला कर देते हैं

-- रजत शर्मा

भारत-चीन: सीमा विवाद और आपसी व्यापार साथ-साथ

– आर.के. सिन्हा

अब कभी-कभी लगता है कि भारत-चीन ने यह तय कर लिया है इनका जटिल सीमा विवाद का कोई हल निकले या न निकले, पर ये अपने आपसी कारोबारी संबंधों को प्रभावित नहीं होने देंगे। अब जरा देखिए कि कुछ दिन पहले पूर्वी लद्दाख के निकट एलएसी पर तनाव खत्म करने के लिए भारत और चीन के बीच 13वें दौर की कोर कमांडर स्तर की सैन्य वार्ता हुई। बैठक में कोई प्रगति नहीं हुई। भारतीय पक्ष ने विवादित क्षेत्रों के मुद्दों को हल करने के लिए रचनात्मक सुझाव भी दिए। बातचीत आगे भी जारी रहेगी, ऐसा कहा गया। अब इससे बिलकुल हटकर यह भी खबर आई कि भारत-चीन का इस साल के पहले नौ महीनों के दौरान ही आपसी व्यापार 90 अरब रुपए तक पहुंच गया। यह पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 49 फीसदी बढ़ा है। यह जानकारी आधिकारिक रूप से भारत के विदेश सचिव श्री हर्षवर्धन श्रृंगला ने दी। तो बहुत साफ है कि भारत-चीन आपसी व्यापार बढ़ता रहेगा, भले ही सीमा विवाद का कोई स्थायी हल न निकले। यह तो साफ है कि चीनी उत्पादों का बहिष्कार करने के नारों का कोई बहुत असर नहीं हुआ। याद करें कि लद्दाख सीमा पर चीन की ओर से हिंसक झड़प करने और अतिक्रमण के बाद अखिल भारतीय स्तर पर चीनी सामान के बहिष्कार की मांग ने जोर पकड़ा था। कड़वी हकीकत यह है कि भारत चीन से इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों तथा मोबाइल फोन कंपोनेंट्स का बहुत बड़े स्तर पर आयात करता है। हमारी फार्मा कंपनियों की चीन पर निर्भरता तो खासी अधिक है। इस निर्भरता को हम कुछ महीनों में या नारेबाजी से खत्म नहीं कर सकते। जब तक हम खुद आत्मनिर्भर नहीं हो जाते तब तक तो हमें चीन से विभिन्न उत्पादों का आयात करना ही होगा। एक बात साफ है कि कोरोना संक्रमण ने भारत के फार्मा सेक्टर को एक अनुपम अवसर दिया है कि वह अपने को आत्मनिर्भर बना ले। भारत का फार्मा सेक्टर हर साल भले ही देश-विदेश में अपनी दवाएं बेचकर अरबों रुपए कमाता है, पर हमारी फार्मा कंपनियां अपनी जेनेरिक दवाओं को बनाने के लिए क़रीब 85 फ़ीसदी एक्टिव फ़ार्मास्यूटिकल इनग्रेडिएंट्स (एपीआई) चीन से ही आयात करती है। एपीआई यानी दवाओं को बनाने के काम में आने वाला कच्चा माल। भारत में एपीआई का उत्पादन बेहद कम है और जो एपीआई भारत में बनाया जाता है उसके फ़ाइनल प्रोड्क्ट बनने के लिए भी कुछ चीज़ें चीन से मंगानी ही पड़ती है। तो जान लें कि भारत की फार्मा कंपनियां एपीआई के उत्पादन के लिए भी चीन की तरफ ही देखती हैं। किसी भी फार्मा कंपनी की पहचान इस आधार पर की जाती है कि वह कितनी नई जीवनरक्षक दवाओं को ईजाद कर रही हैं ? अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि हमारी फार्मा कंपनियों ने अपने को विश्वस्तरीय बनाने की कभी इच्छा ही नहीं दिखाई। उनका एकमात्र लक्ष्य पैसा कमाना ही रहा है। वे आमतौर पर नई औषधियां विकसित करने में यकीन नहीं रखती। हां, इन कंपनियों ने कोरोना के टीके विकसित करके अपनी छवि को उजला किया। इस लिहाज से भारत सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, भारत बायोटेक, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, जाइडस कैडिला, बॉयोलॉजिकल ई, जेन्नोवा बायोफार्मा और पैनेसिया बायोटेक जैसी कंपनियों का कृतज्ञ रहेगा। एपीआई विकसित करने के लिए ही भारत सरकार ने सत्तर के दशक में आईडीपीएल (इंडियन ड्रग्स एंड फर्मास्यूटिकल लिमिटेड) की स्थापना की थी लेकिन, कुशासन और भ्रष्टाचार से ग्रस्त होकर इसकी ऋषिकेश, मुजफ्फरपुर आदि सारी फैक्ट्रियां बंद पड़ी हैं। देखिए भारत-चीन के बीच आपसी व्यापार तो कुलांचे भर रहा है, पर इससे भारत को फायदा नहीं हो रहा है। नुकसान इस लिहाज से होता है कि हम उससे जितना माल खरीदते हैं, उस तुलना में बेहद कम उसे बेचते हैं। हमारा चीन के साथ कुछ साल पहले तक व्यापार घाटा 29 अरब रुपए तक का हो गया था। विदेश सचिव श्री हर्षवर्धन श्रृंगला भी मानते हैं कि इस व्यापार घाटे को संतुलित करने की जरूरत है। भारत जिस भी चीज का निर्यात कर सकता है, उसको उसे अपने लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद जगह पर अच्छी से अच्छी कीमत लेकर ही बेचना चाहिए। भारत को अपनी जरूरत की चीजें भी ऐसे ही देशों से ही आयात करनी चाहिए, जहां वे कम से कम कीमत पर उपलब्ध हों। भारत को कतई बिजली के सजावटी सामानों से लेकर कपड़ों और मूर्तियों वगैरह का कभी भी चीन से आयात नहीं करना चाहिए । क्योंकि, यह सब तो हमारे कुटीर उद्योग बना सकते हैं। अब दीपोत्सव आ रहा है। आपको याद होगा कि कुछ साल पहले तक दिवाली के मौके पर हमारे बाजार चीनी पटाखों से अट जाया करते थे। लेकिन भारत सरकार ने विदेशी पटाखों की बाजार में बिक्री को अवैध करार कर दिया है। विदेशी पटाखों से मतलब चीनी पटाखों से ही है। इससे शिवाकाशी (तमिलनाडु) के परम्परागत पटाखा उद्योग में नई जान आ जायेगी। भारत से चीन से वह बनी-बनाई चीजें, खासकर तरह-तरह की मशीनरी, टेलिकॉम उपकरण और बिजली के सामान और खिलौने, इलेक्ट्रिकल मशीनरी व उपकरण, मैकेनिकल मशीनरी व उपकरण, प्रोजेक्ट गुड्स, आर्गेनिक केमिकल और लौह व इस्पात आदि प्रमुख चीजें मंगाता है। उधर, भारत मुख्य रूप से चीन को लौह अयस्क और कुछ अन्य खनिजों का निर्यात करता है। तो बात ये है कि भारत- चीन व्यापार तो तबतक बढ़ता रहेगा जब तक हम अपने को आत्मनिर्भर नहीं कर लेते। इसके साथ ही दोनों देश सीमा विवाद को हल करने की भी कोशिश करते रहेंगे। सबसे सुकून देने वाली बात यही है कि दोनों देश कम से कम आपस में बात तो कर रहे हैं। बात से बात निकलेगी और वह दूर तक जाएगी। पर हमें एक बात का ध्यान तो रखना होगा कि भारत-चीन के बीच चल रही ताजा तनातनी के बीच हमें किसी भी हालत में यह सुनिश्चित करना है कि भारत में बसे चीनी मूल के नागरिकों के साथ किसी भी तरह की कोई नाइंसाफी या अत्याचार न हो। वे भारत में लगभग सौ सालों से ज्यादा से बसे हुए हैं। भारत में हजारों चीनी नागरिक देश के सभी शहरों में सक्रिय हैं। ये डेंटिस्ट हैं, कारोबारी है और नौकरी भी करते हैं। इनमें से कुछ बेहद विख्यात हैं। उदाहरण के रूप में दिल्ली यूनिवर्सिटी और जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी बिरादरी प्रो.तान चुंग के नाम से परिचित है। उन्होंने ही पहले दिल्ली यूनिवर्सिटी और फिर जवाहरलाल नेहरु यूनिवर्सिटी के चीनी विभाग स्थापित किए थे। वे कहते रहे हैं कि भारत-चीन को अपने सीमा विवाद को हल करने को लेकर बहुत विलंब नहीं करना चाहिए। बिना सीमा विवाद हल किए संबंधों में तनाव बना रहेगा। साल 2011 में पदम विभूषण से सम्मानित डॉ. तान चुंग की राय रही है कि सीमा मसले को हल करने की दिशा में दोनों देशों को प्रो-एक्टिव रुख अपनाना होगा। प्रो. तान चुंग की पत्नी भी दिल्ली यूनिवर्सिटी में पढ़ाती थीं। उनके पिता गुरुदेव रविन्द्रनाथ टेगौर के निमंत्रण पर भारत में आकर बस गए थे। लगता तो यही है कि फिलहाल दोनों देश वार्ता और व्यापार साथ-साथ करते रहेंगे। (लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

मन-मस्तिष्क

आचार्य रजनीश ओशो/ लोग एक-दूसरे से इस तरह व्यवहार क्यों करते हैं? क्या यह सिर्फ आदतवश है या कि मनुष्य में ऐसा कुछ है जो उसे भटकने पर बाध्य करता है? यह दोनों है। एक तो, मनुष्य में ही कुछ ऐसा है जो उसे भटकाता है। दूसरे, ऐसे लोग हैं जो मनुष्य को भटकाना चाहते हैं। दोनों मिलकर एक झूठा, नकली आदमी तैयार करते हैं। उसका हृदय प्रेम के लिए तरसता है लेकिन उसका संस्कारित मन उसे प्रेम से वंचित रखता है। यह समस्या है। प्रत्येक समाज फिक्र लेता है कि मन अधिक से अधिक मजबूत होता रहे ताकि मन और हृदय में कोई संघर्ष हो तो मन जीते। उन्होंने तुम्हारे मन को इस तरह प्रशिक्षित किया है कि तुम उनके उद्देश्य को सफल करो। पच्चीस साल की शिक्षा के बाद तुम उसे इतना मजबूत करते हो कि हृदय को भूल ही जाते हो। तो तुम हमेशा दुखी रहोगे। सुख यह है कि केवल तुम्हारा हृदय ही तुम्हें खुशी दे सकता है, आनंद दे सकता है, तुमसे नृत्य करा सकता है। मस्तिष्क गणित तो हल कर सकता है लेकिन गीत नहीं गा सकता। ये मस्तिष्क की क्षमताएं ही नहीं हैं। तुम्हारा स्वभाव जो तुम्हारा हृदय है और समाज जो तुम्हारे दिमाग में है, इनके बीच टूट जाते हो। तुम्हारे पास एक मन है जो तुम खाली ले आते हो। यह तुम्हें इसलिए खाली दिया जाता है ताकि यह तुम्हारे हृदय का, तुम्हारी अभीप्साओं का सेवक बने। लेकिन विश्व भर में निहित स्वाथरे ने इसे सुनहरे अवसर की भांति मन को हृदय के खिलाफ इस्तेमाल किया है। तो तुम दुखी बने रहते हो। वे लोग तुम्हारा जैसी मर्जी उपयोग कर सकते हैं। हर कोई प्रेम करना चाहता है। हर कोई चाहता है कि कोई उससे प्रेम करे। लेकिन मन ऐसा अवरोध है कि न तो वह तुम्हें प्रेम करने देता है, और न वह किसी को तुमसे प्रेम करने देता है। दोनों मामलों में मन बीच में आता है। संयोगवश तुम किसी व्यक्ति से मिलते भी हो जिससे तुम्हें प्रेम हो जाए और जो तुमसे प्रेम करे, तो भी तुम्हारे मन नहीं मिलेंगे। उन्हें अलग-अलग प्रणालियों ने प्रशिक्षित किया है, अलग धर्मो ने, अलग समाजों ने। दुर्भाग्यवश समाज, लोग जिनके साथ तुम जीते आ रहे हो, जो हमें इस दुनिया में ले आए हैं, उन्होंने इस बारे में कुछ सोचा नहीं है। वे जानवरों की तरह आदमियों को पैदा करते रहे हैं, उनसे भी बदतर क्योंकि जानवर कम-से-कम संस्कारित तो नहीं हैं। यह संस्कार करने की प्रक्रिया पूरी तरह से बदलनी चाहिए। मन को हृदय का सेवक बनने के लिए तैयार करना जरूरी है।

जम्मू-कश्मीर: शाह के दौरे से फिर बदलेंगे हालात

– योगेश कुमार सोनी

बीते दिनों हुए जम्मू-कश्मीर में लगातार आतंकी हमले से एक बार फिर वहां का माहौल खराब हो गया था, जिसके बाद राज्य से अनुच्छेद 370 हटने के बाद पहली बार केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर का दौरा किया। इस तीन दिवसीय दौरे में अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर की जनता को उसकी सुरक्षा व तरक्की के लिए आश्वस्त किया। सरकार द्वारा किये हुए कामों को भी बताया व जनता में विश्वास की भावनाओं को बनाए रखने के लिए गृह मंत्री ने यहां तक कहा कि 'मैं कश्मीर के युवाओं से दोस्ती करना चाहता हूं। इसलिए बिना बुलेटप्रूफ आपके बीच आया हूं। आप अपने दिल से खौफ निकाल दीजिए।' इसके अलावा शिक्षा पर बात करते हुए कहा कि पहले यहां मात्र तीन मेडिकल कॉलेज थे लेकिन अब यहां सात और नए कॉलेज बन गए जिससे अलगाववादी व हुर्रियत नेताओं की दुकानदारी बंद हो गई क्योंकि लोगों से मोटी रकम वसूलकर यहां के युवाओं को पाकिस्तान के कॉलेजों में भेजा जाता था। गृहमंत्री के दौरे को लेकर तमाम तरह के कयास लगाए जा रहे थे और जिस बात का अंदाजा था उन्हीं मुद्दों पर आधारित बातें थी। सरकार के अनुसार इस दौरे के बाद जनता में आतंकियों के प्रति डर कम होगा व आतंकियों में एक बार फिर भय का माहौल बनेगा। दरअसल, इस बार आतंकी दहशत फैलाने के लिए सुरक्षा बलों और प्रवासी मजदूरों को निशाना बनाया रहे हैं। घटनाओं के बाद से ही लगातार सुरक्षा बल चुनौतियों से निपट रहा है। सरकार ने सुरक्षा को और दुरुस्त करने के लिए सेना को पूर्ण रूप से अनुमति दे रखी है कि आतंकवाद को पनपने से पहले ही खत्म कर दिया जाए। धारा 370 हटने के बाद सभी आतंकी संगठन बौखलाए हुए हैं और ऐसी स्थिति पहली बार बनी है। चूंकि जम्मू-कश्मीर से लगातार अच्छी खबरें आने लगी थी जो देश में बैठे गद्दारों व पाकिस्तान को बर्दाश्त नहीं हो रही थी। दरअसल कुछ समय पहले भारतीय सेना ने बताया कि अब आतंकियों को कश्मीर के लोगों का समर्थन नहीं मिल रहा है। पिछले कुछ समय से यहां के युवाओं ने आतंकी संगठनों को ज्वाइन नहीं किया बल्कि इसके विपरीत सेना में भर्ती होने के लिए अपना पंजीकरण करा रहे हैं। इस आधार पर यह तय हो जाता है कि यहां के नागरिक अब शांति व खुशहाली से जीवन जीना चाहते हैं। सेना के चीफ लेफ्टिनेंट जनरल ने बताया था कि आतंकवादी इन इलाकों में सिर्फ सनसनी फैलाए रखना चाहते हैं। हमेशा से पाकिस्तान का गुणगान करने वाले अलगाववादी नेता इस तरह का प्रोपगेंडा चलाते हैं जिससे यहां वो आतंकवाद के नाम पर अपनी रोजी-रोटी चलाते रहें लेकिन स्थानीय लोगों ने समर्थन देना बंद कर दिया जिससे आतंकवाद की कमर टूट गई थी। इस साल व पिछले वर्ष सेना में भर्ती के लिए राज्य के दस हजार युवाओं ने रजिस्ट्रेशन कराया। उससे पिछले वर्ष यह पांच हजार के लगभग था और उससे पहले बहुत ही कम होता था। लगातार बढ़ रहे आंकड़ों से सबसे ज्यादा झटका उनको लगा है जो यहां लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ करके जहर की खेती कर रहे थे। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल से ही यह बदलाव की बयार बड़े स्तर पर देखने का मिल रही थी। विगत दिनों अनुच्छेद 370 के हटने से यहां के लोगों ने और ज्यादा आजादी महसूस की जिससे इनको इस बात की प्रामाणिकता मिल गई अब यहां के हालात बिल्कुल गए बदल गए। इस बात की जानकारी बहुत ही कम लोगों के पास होगी कि अलगाववादियों की सुरक्षा व अन्य जीवन प्रक्रिया पर करोड़ों रुपया खर्च होता था। 2016 मे केंद्रीय गृह मंत्रालय की रिपोर्ट मे बताया गया था कि 2009 से 2014 तक अलगाववादियों को सुरक्षित स्थलों पर ठहरवाने, देश-विदेश की यात्राएं करवाने व स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के अलावा भी कई प्रकार की सुविधाएं प्रदान की जाती थी जिसका 5 साल में 560 करोड़ रुपये का खर्चा आया था। इस हिसाब से सालाना 112 करोड़ रुपये खर्च हुए थे। इतने बजट से किसी अन्य बड़ी योजना को अंजाम दिया जा सकता था जिससे देश का भला होता। जबकि इन नेताओं का काम सिर्फ पाकिस्तान पक्ष की बातें करना या उनकी चमचागिरी करना था। बंटवारे से लेकर अब तक हिन्दुस्तान इस दुर्भाग्य से जूझ रहा था लेकिन जब से मोदी सरकार ऐसी घटनाओं को लेकर एक्शन में आई है तब से सब पूरी तरह बदल गया। दरअसल आतंकवादियों ने कभी यह सोचा भी नहीं था कि उनकी जम्मू-कश्मीर में उनकी दुकानदारी एकदम बंद हो जाएगी लेकिन बीते दिनों में जो भी हो रहा है उस पर केन्द्र सरकार को एक बड़े एक्शन ऑफ प्लॉन की जरूरत है। चूंकि अब लोगों को जम्मू-कश्मीर की बदली तस्वीर भाने लगी है। शाह के दौरे के बाद जनता व सेना में एक सकारात्मक ऊर्जा दिखने को मिली लेकिन अभी स्थिति नियंत्रित करना चुनौतीपूर्ण होगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं। वाद-विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मिथुन बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। मन प्रसन्न होगा। जारी प्रयास सार्थक होंगे। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। प्रणय संबंध मधुर होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। व्यर्थ की उलझने रहेंगी।

वृश्चिक आर्थिक योजना को बल मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

धनु गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मकर जीविका की दिशा में उन्नति होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धन हानि की संभावना है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

क्लाउड कारोबार में बढ़ोतरी से माइक्रोसॉफ्ट का मुनाफा 24 फीसदी बढ़ा

अमेरिका: क्लाउड कंप्यूटिंग कारोबार में बढ़ोतरी के चलते माइक्रोसॉफ्ट का मुनाफा जुलाई-सितंबर तिमाही में 24 फीसदी बढ़ गया। वाशिंगटन के रेडमंड में स्थित प्रौद्योगिकी कंपनी ने मंगलवार को बताया कि उसका तिमाही मुनाफा 17.2 अरब अमेरिकी डॉलर या प्रति शेयर 2.27 अमेरिकी डॉलर रहा। इस तरह माइक्रोसॉफ्ट ने विश्लेषकों के अनुमान को पीछे छोड़ दिया, जो प्रति शेयर 2.08 अमेरिकी डॉलर के मुनाफे की उम्मीद जता रहे थे। कोरोना वायरस महामारी के दौरान घर से काम करने का चलन बढ़ा और इसके साथ ही माइक्रोसॉफ्ट के सॉफ्टवेयर और क्लाउड कंप्यूटिंग सेवाओं की मांग भी बढ़ी।

एक्सिस बैंक का मुनाफा 86 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के एक्सिस बैंक ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 3133.32 करोड़ रुपए का मुनाफा अर्जित किया है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में अर्जित 1682.67 करोड़ रुपए की तुलना में 86 प्रतिशत अधिक है। बैंक ने निदेशक मंडल की बैठक के जारी वित्तीय लेखाजोखा में कहा कि सितंबर में समाप्त इस तिमाही में उसकी कुल एकल आय बढ़कर 20,134.39 करोड़ रुपए हो गई, जो 2020-21 की समान तिमाही में 19,550 करोड़ रुपए थी। इस अवधि में बैंक के परिसंपत्ति गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है। सितंबर के ओ खिर तक सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए)घटकर कुल अग्रिम का 3.53 प्रतिशत रह गया जो एक साल पहले इसी अवधि में 4.18 प्रतिशत था जबकि इस अवधि में शुद्ध एनपीए 0.98 प्रतिशत से बढ़कर 1.08 प्रतिशत हो गया।

न्यू एनर्जी सोलर ने स्टर्लिंग एंड विल्सन में 4.91 करोड़ शेयरों के अधिग्रहण की पेशकश की

नई दिल्ली। रिलायंस समूह की फर्म रिलायंस न्यू एनर्जी सोलर ने स्टर्लिंग एंड विल्सन सोलर के 4.91 करोड़ शेयरों के अधिग्रहण के लिए प्रति शेयर 375 रुपए या 1,840 करोड़ रुपए से अधिक की पेशकश की है। स्टर्लिंग एंड विल्सन सोलर ने शेयर बाजार को बताया कि 4.91 करोड़ शेयर 25.9 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी या कंपनी में संपूर्ण सार्वजनिक हिस्सेदारी के बराबर है। खुली पेशकश के मसौदा पत्र के मुताबिक इस पेशकश में रिलायंस न्यू एनर्जी सोलर लिमिटेड (आरएनईएसएल) के अलावा रिलायंस ग्रुप की दूसरी कंपनियां रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) और रिलायंस वेंचर्स लिमिटेड भी शामिल हैं। शेयर बाजार को दी जानकारी के मुताबिक रिलायंस न्यू एनर्जी सोलर लिमिटेड ने एक रुपए के अंकित मूल्य वाले 4,91,37,420 पूरी तरह से चुकता इक्विटी शेयरों के अधिग्रहण के लिए खुली पेशकश का मसौदा पत्र जारी किया है, जो कंपनी के संपूर्ण सार्वजनिक शेयरधारिता के बराबर है और स्टर्लिंग एंड विल्सन सोलर लिमिटेड की मतदान पूंजी का 25.90 प्रतिशत है। रिलायंस न्यू एनर्जी सोलर द्वारा रिलायंस इंडस्ट्रीज और रिलायंस वेंचर्स के साथ मिलकर सार्वजनिक शेयरधारकों से शेयरों का अधिग्रहण किया जाएगा। आरएनईएसएल, आरआईएल की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

दूरसंचार सुधार पैकेज ने उम्मीद बढ़ाई, उद्योग ढांचे के लिए जोखिम कम हुआ: इंडस टावर्स

नई दिल्ली (एजेंसी):

दूरसंचार अवसंरचना कंपनी इंडस टावर्स ने मंगलवार को कहा कि सरकार द्वारा घोषित सुधार पैकेज से इस क्षेत्र में उम्मीद का संचार हुआ है और उद्योग ढांचे के लिए जोखिम काफी कम हो गया है। इंडस टावर्स के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बिमल दयाल ने दूसरी तिमाही के तिमाही नतीजों को जारी करने के मौके पर कहा कि कंपनी दूरसंचार संचालकों और क्षेत्रों में डेटा की अत्यधिक मांग से लाभान्वित हो रही है। सरकार द्वारा हाल ही में घोषित किए गए दूरसंचार क्षेत्र के सुधार पैकेज को उल्लेखनीय कदम बताते हुए, दयाल ने कहा कि इसने ऑपरेटरों के जोखिम को कम करने के साथ उद्योग के चारों ओर उम्मीद का संचार किया है।'' उन्होंने कहा कि इस पैकेज की संरचना इस क्षेत्र को विकसित करने और इसे 5जी युग की ओर ले जाने में एक सहायक भूमिका निभाने के लिए सरकार की ओर से स्पष्ट मंशा को रेखांकित करती है। उन्होंने कहा कि दूसरी तिमाही उद्योग के लिए अच्छी रही है। दूरसंचार राहत पैकेज मुख्य आकर्षण रहा है। हमारा मानना है कि इस राहत पैकेज से आने वाली तिमाही के कारोबार पर बहुत अच्छा असर पड़ेगा।

सोने में 244 रुपये की गिरावट, चांदी 654 रुपये टूटी

नयी दिल्ली (एजेंसी),

अंतरराष्ट्रीय बाजार में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में गिरावट के अनुरूप राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना 244 रुपये की गिरावट के साथ 46,747 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 46,991 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 654 रुपये की गिरावट के साथ 63,489 रुपये प्रति किलोग्राम रह गयी। पिछले कारोबारी सत्र में यह 64,143 रुपये प्रति किलो के भाव पर बंद हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना गिरावट के साथ 1,787 डॉलर प्रति औंस रह गया गया जबकि चांदी मामूली गिरावट के साथ 23.94 डॉलर प्रति औंस रह गयी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा, ''मंगलवार को न्यूयॉर्क स्थित जिंस एक्सचेंज कॉमेक्स में सोने की हाजिर कीमत 0.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,787 डॉलर प्रति औंस रह गयी जिससे सोने की कीमतों में कमजोरी रही।''

एमएफआई को परिसंपत्ति में भारी वृद्धि के लिए असावधान नहीं होना चाहिए: आरबीआई

मुंबई (एजेंसी):

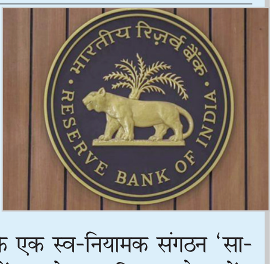

भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर एम राजेश्वर राव ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय बैंक माइक्रोफाइनेंस (एमएफआई) क्षेत्र को बढ़ावा देगा लेकिन ऋणदाताओं को उच्च परिसंपत्ति वृद्धि और प्रतिफल पाने के लिए असावधान नहीं होना चाहिए। एमएफआई क्षेत्र के एक स्व-नियामक संगठन 'सा-धन' द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में राव ने कहा कि माइक्रोफाइनेंस ऋणदाताओं को मुख्यधारा के वित्त की रणनीतियों की नकल नहीं करनी चाहिए, क्योंकि उनकी सेवाओं में सामाजिक उद्देश्यों को जगह देने की अधिक जरूरत होती है। राव ने कहा, ''उच्च परिसंपत्ति वृद्धि और प्रतिफल पाने के लिए (एमएफआई) ऋणदाताओं को असावधान नहीं होना चाहिए। एमएफआई की प्रतिकूल कार्रवाई के जरिए कोई भी चूक दशकों में हासिल की गई जबरदस्त प्रगति को खत्म कर सकती है।'' उन्होंने कहा कि माइक्रोफाइनेंस की शुरुआत के उद्देश्यों को नहीं भूलना चाहिए। डिप्टी गवर्नर ने कहा कि एमएफआई को पहले ग्राहकों की जरूरतों को समझने पर ध्यान देना चाहिए और सही वित्तीय उत्पादों के जरिए उन्हें पर्याप्त सहायता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि चूंकि एमएफआई ग्राहकों में वित्तीय जागरूकता का स्तर कम है और वे कहीं से भी कर्ज लेने के लिए बेताब हैं, इसलिए उन्हें देखभाल और सहानुभूति की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ऐसा सिर्फ बातों में नहीं, बल्कि असल में होना चाहिए।

फेसबुक ने तीसरी तिमाही में 29 बिलियन डॉलर की बंपर कमाई की रिपोर्ट दी

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

दुनिया भर की सरकारों की गहन छानबीन के बीच, विशेष रूप से ऑस्ट्रेलिया में, फेसबुक ने तीसरी तिमाही के राजस्व में 29 बिलियन डॉलर 35 प्रतिशत (ऑन-ईयर) और 28.3 बिलियन डॉलर विज्ञापन राजस्व कमाई की सूचना दी है। सोशल नेटवर्क ने 9.1 अरब डॉलर की शुद्ध आय दर्ज की, जो पिछले साल की इसी तिमाही की तुलना में 17 प्रतिशत अधिक है। तीसरी तिमाही की कमाई के बाद फेसबुक के शेयरों में 1.9 की तेजी आई है। कंपनी ने सोमवार को अपने तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर अवधि) के परिणामों की घोषणा करते हुए कहा, लगभग 2.8 बिलियन लोग दैनिक आधार पर इसके कम से कम एक ऐप का उपयोग कर रहे हैं, और 3.6 बिलियन लोग सितंबर में मासिक आधार पर कम से कम एक का उपयोग करते हैं। सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने कहा, हमने इस तिमाही में अच्छी प्रगति की है और हमारा समुदाय लगातार बढ़ रहा है। मैं अपने रोडमैप को लेकर विशेष रूप से रचनाकारों, वाणिज्य और मेटावर्स के निर्माण में मदद करने के लिए उत्साहित हूं। फेसबुक के दैनिक सक्रिय उपयोगकर्ता 1.93 बिलियन तक पहुंच गए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 6 प्रतिशत या 110 मिलियन अधिक हैं, जबकि महीनों के सक्रिय उपयोगकर्ताओं में पिछले वर्ष की तुलना में 170 मिलियन या 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। फेसबुक वर्तमान में 68,177 लोगों को रोजगार दे रहा है जो साल-दर-साल 20 प्रतिशत की वृद्धि है।

फेसबुक इस साल अपने मेटावर्स डिवीजन पर 10 बिलियन डॉलर करेगा खर्च

सैन फ्रांसिस्को। सोशल मीडिया की दिग्गज कंपनी फेसबुक ने कहा कि वह मेटावर्स के लिए अपने विजन को बढ़ाने के लिए 10 बिलियन डॉलर से अधिक खर्च करेगा। वर्चुअल और ऑगमेंटेड रियलिटी (वीआर/एआर) जैसी तकनीकों का उपयोग इंटरकनेक्टेड वर्चुअल अनुभवों का एक नया चरण है। फर्म फेसबुक रियलिटी लैब्स पर अरबों डॉलर खर्च करेगी, इसके मेटावर्स डिवीजन ने एआर और वीआर हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और कंटेंट बनाने का काम सौंपा है। कंपनी ने अपनी तीसरी तिमाही की आय रिलीज करते हुए कहा, हम इस लॉन्ग-टर्म वीजन को जीवन में लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और अगले कई सालों के लिए अपने निवेश में वृद्धि की उम्मीद करते हैं। फेसबुक एआर और वीआर को अगली पीढ़ी के ऑनलाइन सोशल अनुभवों के रूप में देखता है। इसने एआर और वीआर में भारी निवेश किया है, जिसमें इस साल ओक्यूलस जैसी कंपनी भी खरीदी है ताकि मेटावर्स के उत्पाद बनाने के लिए प्रोडक्ट टीम बनाई जा सके। यहां तक कि फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग भी पिछले महीनों मेटावर्स के बारे में बात कर चुके हैं। वहीं फेसबुक ने इस महीने के शुरुआत में सोशल नेटवर्क को मेटावर्स बनाने में मदद करने के लिए 10,000 लोगों को काम पर रखने की घोषणा की है। कंपनी ने तीसरी तिमाही में 29.01 बिलियन डॉलर का राजस्व दर्ज किया, जो पिछले साल की समान तिमाही में 21.47 बिलियन डॉलर था। कंपनी ने कहा है कि चौथी तिमाही में राजस्व 31.5 से 34 बिलियन डॉलर बढ़ने की उम्मीद है। विश्लेषक 34.8 बिलियन डॉलर की बिक्री का अनुमान लगा रहे थे।

अगले सप्ताह बढ़ सकते हैं रसोई गैस सिलेंडर के दाम; पेट्रोल, डीजल और महंगा हुआ

नयी दिल्ली (एजेंसी),

रसोई गैस सिलेंडर (एलपीजी) के दाम अगले सप्ताह बढ़ सकते हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस बीच, दो दिन के अंतराल के बाद बुधवार को वाहन ईंधन कीमतों में फिर बढ़ोतरी हुई। पेट्रोल और डीजल दोनों के दाम 35 पैसे प्रति लीटर और बढ़ गए हैं। सूत्रों ने बताया कि एलपीजी के मामले में लागत से कम मूल्य पर बिक्री से होने वाला नुकसान (अंडररिकवरी) 100 रुपये प्रति सिलेंडर पर पहुंच चुका है। इस वजह से इसकी कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है।सूत्रों ने बताया कि रसोई गैस सिलेंडर का दाम कितना बढ़ेगा, यह सरकार की अनुमति पर निर्भर करेगा। इससे पहले छह अक्टूबर को रसोई गैस सिलेंडर के दाम 15 रुपये बढ़ाए गए थे। जुलाई से 14.2 किलोग्राम के रसोई गैस सिलेंडर का दाम 90 रुपये बढ़ चुका है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम विपणन कंपनियों को खुदरा दाम लागत के अनुरूप करने की अनुमति नहीं दी गई है। इसके अलावा इस अंतर को पाटने के लिए अभी तक सरकार की ओर से कोई सब्सिडी भी नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीमतों में बढ़ोतरी के बीच एलपीजी की बिक्री पर नुकसान 100 रुपये प्रति सिलेंडर पर पहुंच गया है। जहां सऊदी अरब में एलपीजी की दर इस महीने 60 प्रतिशत के उछाल के साथ 800 डॉलर प्रति टन हो गई है, वहीं अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल 85.42 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच चुका है। एक अन्य सूत्र ने कहा, ''एलपीजी अभी नियंत्रित जिंस है। ऐसे में तकनीकी रूप से सरकार इसके खुदरा दाम का नियमन कर सकती है। लेकिन ऐसा करने पर सरकार को पेट्रोलियम कंपनियों को लागत से कम मूल्य पर बिक्री के नुकसान को पूरा करना होगा।'' इस समय दिल्ली और मुंबई में रसोई गैस सिलेंडर का दाम 899.50 रुपये है। वहीं कोलकाता में यह 926 रुपये है। देश में पात्र परिवारों को इन्हीं दरों पर सब्सिडी वाला रसोई गैस सिलेंडर मिलता है। एक साल में उन्हें 14.2 किलोग्राम के 12 सिलेंडर सब्सिडी वाली दरों पर मिलते हैं। इस बीच, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बुधवार को 35 पैसे प्रति लीटर की और वृद्धि हुई। इससे पहले दो दिन तक वाहन ईंधन के दाम नहीं बढ़ाए गए थे। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम विपणन कंपनियों की मूल्य अधिसूचना के अनुसार, दिल्ली में अब पेट्रोल 107.94 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। वहीं मुंबई में यह 113.80 रुपये प्रति लीटर हो गया है। इसी तरह दिल्ली में डीजल 96.67 रुपये प्रति लीटर और मुंबई में 104.75 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। देश के सभी प्रमुख शहरों में पेट्रोल पहले ही शतक लगा चुका है। वहीं डेढ़ दर्जन से ज्यादा राज्यों और संघ शासित प्रदेशों में डीजल 100 रुपये प्रति लीटर के पार निकल गया है।

पेट्रोलियम विपणन कंपनियों ने 28 सितंबर से पेट्रोल कीमतों में बढ़ोतरी का सिलसिला फिर शुरू किया था। इससे पहले तीन सप्ताह तक इस वाहन ईंधन के दाम नहीं बढ़ाए गए थे। उसके बाद से 22 बार में पेट्रोल के दाम 6.75 रुपये प्रति लीटर बढ़े हैं। वहीं 24 सितंबर से 24 बार में डीजल के दाम 8.05 रुपये प्रति लीटर बढ़ाए गए हैं।

चिप शॉर्टेज से मारुति को भारी नुकसान, प्रॉफिट में आई 65 फीसदी की गिरावट

(एजेंसी):

सेमीकंडक्टर क्राइसिस के कारण ऑटो सेक्टर को बहुत नुकसान हुआ है। देश की दिग्गज ऑटो मेकर मारुति सुजुकी ने 30 सितंबर 2021 को खत्म हुए वित्त वर्ष 2021-22 के दूसरी तिमाही के नतीजे पेश कर दिए हैं। कंपनी के प्रॉफिट में 65 फीसदी की भारी गिरावट आई है। इस तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 475.30 करोड़ रुपए रहा। सितंबर 2020 तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 1371 करोड़ रुपए रहा था।चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में कंपनी की नेट सेल्स 19298 करोड़ रही। सालाना आधार पर इसमें 9 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। सितंबर 2020 तिमाही में नेट सेल्स 17689 करोड़ रुपए रही थी। कंपनी के टोटल रेवेन्यू की बात करें तो इसमें 9 फीसदी की तेजी दर्ज की गई और यह 20538 करोड़ रुपए रहा। पिछले साल की समान तिमाही में यह 18744 करोड़ रुपए रहा था।

379541 वाहन बेचे

दूसरी तिमाही में कंपनी कुल 3 लाख 79 हजार 541 वाहन बेची। इसमें डोमेस्टिक मार्केट में 3 लाख 20 हजार 133 कार बेची गई, जबकि 59408 वाहन निर्यात किए गए। रिपोर्ट के मुताबिक, सेमीकंडक्टर क्राइसिस के कारण मारुति इस तिमाही में 1.16 लाख वाहन तैयार नहीं कर पाई। इस तिमाही में कंपनी के पास पेंडिंग ऑर्डर 2 लाख से ज्यादा थे।

होंडा ने नई योजना शुरू करने बैंक ऑफ महाराष्ट्र से किया समझौता

- होंडा कार्स इंडिया की कार खरीदने के लिए कंपनी दे रही 90 फीसदी तक लोन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जापान की वाहन निर्माता होंडा कार्स इंडिया ने दीवाली पर नई फाइनेंस स्कीम की घोषणा की है, जिसके चलते लोग होंडा की कारों को आसानी से खरीद सकते हैं। नई फाइनेंस स्कीम को शुरू करने के लिए कंपनी ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र के साथ हाथ मिलाया है। गौरतलब है` कि इस साझेदारी में कम ब्याज दर पर नई अमेज, डब्ल्यूआर-वी, जैज और सिटी की खरीद पर कई वित्तीय प्रस्ताव पेश किए हैं। इस साझेदारी को विभिन्न आय समूहों जैसे वेतनभोगी कर्मचारियों, स्वरोजगार, पेशेवरों, व्यापारियों और किसान खरीदारों के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस योजना के तहत 90 प्रतिशत तक का वित्त, 7.05 प्रतिशत से शुरू होने वाली ब्याज दर, 48 घंटे के टर्न-अराउंड समय के साथ परेशानी मुक्त लोन की मंजूरी, जीरो प्रोसेसिंग फीस और नॉन प्री/पार्ट भुगतान शुल्क शामिल नहीं है। इसके साथ ही पंजीकृत कंपनियां वाहन की कीमत का 80 फीसदी तक कर्ज ले सकेंगी। होंडा ने इस त्योहारी महीने में 53,500 रुपढ तक की छूट की घोषणा भी की है। ग्राहक इस त्यौहारी सीजन में अपनी बहुप्रतीक्षित ड्रीम कार खरीदने के लिए कम ब्याज दर और कार फाइनेंस के परेशानी मुक्त अनुभव का लाभ उठा सकते हैं। वहीं बैंक ऑफ महाराष्ट्र के प्रबंध निदेशक और सीईओ ए.एस. राजीव ने कहा` कि एक प्रमुख कार निर्माता होंडा कार्स इंडिया के साथ जुड़ना वास्तव में बहुत अच्छा है। हमारे ग्राहकों को अत्यधिक लाभ होगा क्योंकि हम आकर्षक मूल्य पर शून्य प्रोसेसिंग शुल्क के साथ परेशानी मुक्त कार ऋण प्रदान करते हैं।

दिवालिया कंपनी सिंटेक्स इंडस्ट्रीज में बोली लगा रहे उद्योगपति मुकेश अंबानी

मुंबई (एजेंसी)।

देश के सबसे बड़े उद्योगपति मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने दिवालिया हो चुकी सिंटेक्स कंपनी को खरीदने के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) दिया है।सिंटेक्स को खरीदने के लिए आरआईएल ने एसेट्स केयर एंड रिकंस्ट्रक्शन के साथ पार्टनरशिप में ईओआई दिया है।आरआईएल के अलावा सिटेंक्स को खरीदने की दौड़ में आदित्य बिड़ला एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी के इनवेस्टमेंट वाली वार्ड कैपिटल, वेलस्पन ग्रुप की एक कंपनी, इडलवाइज ऑल्टनेटिव एसेट्स एडवाइजर्स, ट्राइडेंट लिमिटेड और इंडोकाउंट इंडस्ट्रीज भी शामिल हैं।फैब्रिक बिजनेस से जुड़ी सिंटेक्स में एयर एसएसजी कैपिटल की बड़ी हिस्सेदारी है।सिंटेक्स इंडस्ट्रीज के मुताबिक कंपनी अरमानी,हुगो बास, डीलज जैसे ग्लोबल फैशन ब्रांड्स को फैब्रिक सप्लाई करती है। दरअसल सिंटेक्स इंडस्ट्रीज कॉरपोरेट इनसॉल्वेंसी एंड रिजॉल्यूशन प्रोसेस से गुजर रही है। सिंटेक्स इंडस्ट्रीज के खिलाफ इस साल अप्रैल में एनसीएलटी की अहमदाबाद ब्रांच में इनसॉल्वेंसी प्रोसेस शुरू हुई थी।

कंपनी सितंबर 2019 में एक कंपनी का 15.4 करोड़ रुपये का पेमेंट करने में नाकाम रही थी। कंपनी के रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल ने 27 फाइनेंशियल क्रेडिटर्स का 7,534.6 करोड़ रुपये का दावा स्वीकार किया है। सिंटेक्स इंडस्ट्रीज पर एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, आरबीएल, आदित्या बिरला फायनेंस,इंनडसंन बैंक, एलआईसी और स्टेट बैंक का कर्ज है।जबकि पीएनबी,और कर्नाटक बैंक ने कंपनी के अकाउंट को फॉड घोषित किया है।साल 2017 में सिंटेक्स प्लास्टिक इंस्ट्रीज को सिंटेक्स इंडस्ट्रीज से अलग किया गया था।सिंटेक्स प्लास्टिक टेक्नोलिजी वाटर स्टोरेज टैंक बनाती है।इससे पहले रिलायंस इंडस्ट्रीज ने जेएम के साथ मिलकर आलोक इंडस्ट्रीज के लिए बोली लगाकर उसका अधिग्रहण किया था। यह एकमात्र मौका था, जब रिलायंस ने किसी दिवालिया कंपनी के लिए बोली लगाई थी।

यात्री वाहनों की बिक्री में वृद्धि घटकर 11-13 फीसदी रहेगी

मुंबई (एजेंसी)।

चालू वित्त वर्ष में चिप की कमी होने से यात्री वाहनों की बिक्री में वृद्धि घटकर 11 से 13 प्रतिशत रहने का अनुमान है। पहले इसमें 16-17 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया गया था। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्पादन में कमी के बीच इंतजार की अवधि बढ़ने के कारण उद्योग में सुधार की रफ्तार धीमी हो रही है। क्रिसिल की रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। क्रिसिल ने बाजार में 71 प्रतिशत की सामूहिक हिस्सेदारी रखने वाली शीर्ष तीन यात्री वाहन कंपनियों के विश्लेषण के आधार पर यह रिपोर्ट तैयार की है। रिपोर्ट के अनुसार सेमीकंडक्टर की कमी से बिक्री में अनुमान से 4-6 प्रतिशत की कमी रहेगी। पहले बिक्री में बढ़ोतरी 16-17 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था। ताजा अनुमान के अनुसार, यात्री वाहनों की बिक्री 11-13 प्रतिशत बढ़ेगी। सेमीकंडक्टर या चिप वाहन के लिए एक प्रमुख पुर्जा है। इसका इस्तेमाल वाहन नेविगेशन, इंफोटेनमेंट और ट्रैक्शन कंट्रोल जैसी सुविधाएं प्रदान करने के लिए किया जाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) के लिए चिप की कमी के कारण उत्पादन का नुकसान हुआ है, जबकि ग्राहकों के लिए कुछ मॉडलों की प्रतीक्षा अवधि 2-3 महीने से बढ़कर 6-9 महीने हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि महामारी से उत्पन्न अनिश्चितताओं के कारण वाहन कंपनियों के ऑर्डर में तेज बदलाव आया है।

रिपोर्ट में इसके लिए ओईएम द्वारा भंडारण की खराब योजना, चीनी कंपनियों द्वारा चिप की जमाखोरी, बंदरगाहों पर माल अटकने के अलावा प्रमुख चिप कारखानों को प्रभावित करने वाली प्राकृतिक आपदाओं को जिम्मेदार ठहराया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि जब से महामारी शुरू हुई है, व्यक्तिगत परिवहन वाहनों की मांग बढ़ी है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए मुंबई टीम में शामिल 4 खिलाड़ी पाए गए कोविड पॉजिटिव

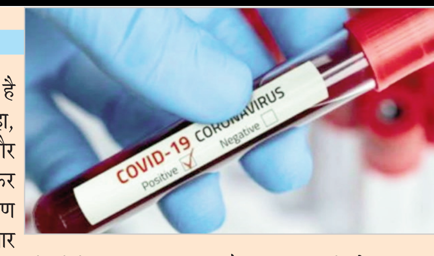

मुंबई । सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए मुंबई की टीम में शामिल 4 खिलाड़ियों को कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाया गया है और उनके स्थान पर नए खिलाड़ियों का चयन कर दिया गया है। विश्वसनीय सूत्रों ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, 'सीनियर टीम के चार खिलाड़ियों का परीक्षण पॉजिटिव आया है। ये खिलाड़ी शम्स मुलानी, साइराज पाटिल, प्रशांत सोलंकी और सरफराज खान हैं। यह भी पता चला है कि मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने इन चारों के स्थान पर नये खिलाड़ियों का चयन कर दिया है जिनके नामों की घोषणा जल्द की जाएगी। सूत्रों ने कहा, 'हम (चारों नये खिलाड़ियों का) रैपिड आरटी-पीसीआर परीक्षण करवा रहे हैं तथा उनकी रिपोर्ट जल्द आ जाएगी जिसके बाद ही वे टीम से जुड़ेंगे। हम टीम के अन्य सदस्यों का भी आरटी-पीसीआर परीक्षण करवा रहे हैं। मुंबई को चार नवंबर से शुरू होने वाले टूर्नामेंट के लिए ग्रुप बी में रखा गया है और वह अपने लीग मैच गुवाहाटी में खेलेगा। उसका पहला मैच कर्नाटक से होगा।

वर्ल्ड बॉक्सिंग : दीपक, सुमित और नरेंद्र ने कायम रखा भारत का विजयी अभियान

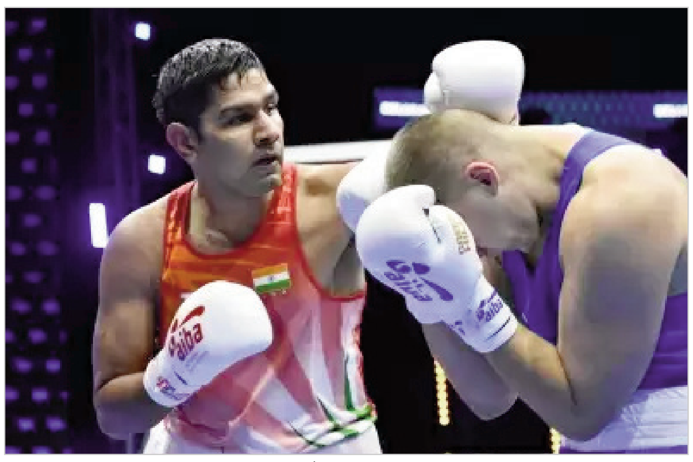

नई दिल्ली (एजेंसी)

एआईबीए विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत की जीत की लय को आगे बढ़ाते हुए दीपक भोरिया, सुमित और नरेंद्र ने सर्बिया के बेलग्रेड में चल रही चैंपियनशिप के दूसरे दिन शानदार जीत के साथ अपने अभियान को जारी रखा। खिताब के प्रबल दावेदारों में से एक, किर्गिस्तान के अजत उसेनालिव के खिलाफ, दीपक ने 51 किग्रा के शुरूआती दौर के मैच में एक शानदार प्रदर्शन किया। एशियाई चैंपियन उसेनलिव के कुछ प्रतिरोध के बावजूद, 24 वर्षीय दीपक अपनी जीत को सुनिश्चत करने में सफल रहे। सुमित भी जमैका के मुक्केबाज ओनील डेमन के खिलाफ अपने 75 किग्रा के शुरूआती दौर के मैच के दौरान समान रूप से प्रभावी थे। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ 5-0 से आसान जीत दर्ज की थी। दूसरी ओर, नरेंद्र को अपने पोलिश प्रतिद्वंद्वी ऑस्कर सफरियन से प्लस 92 किग्रा मुकाबले में कुछ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। हालांकि भारतीय खिलाड़ी ने 4-1 से अपनी जीत दर्ज की। चैंपियनशिप में जीत की शुरूआत अनुभवी मुक्केबाज शिव थापा ने की थी जिन्होंने केन्या के विक्टर न्याडेरा के खिलाफ 63.5 किग्रा राउंड-ऑफ-64 मैच में 5-0 की जीत दर्ज की थी। इस जीत ने आयोजन के दूसरे दिन भारत के लिए टोन सेट किया, जो 650 शीर्ष मुक्केबाजों की उपस्थिति में मजबूत प्रतिस्पर्धा का गवाह रहा है। 13 भार वर्गों में 100 से अधिक देश हिस्सा ले रहे हैं। चैंपियनशिप के तीसरे दिन बुधवार को चार भारतीय मुक्केबाज अपनी चुनौती की शुरूआत करेंगे। लाइट मिडिलवेट वर्ग में निशांत देव का सामना हंगरी के लास्जलो कोजाक से होगा, जबकि वरिंदर सिंह 60 किग्रा के मुकाबले में आर्मेनिया के करेन टोनाकान्यान से भिड़ेंगे। गोविंद साहनी (48 किग्रा) और लक्ष्य चाहर (86 किग्रा) अन्य दो भारतीय हैं, जो आज रात एक्शन में नजर आएंगे।

नीरज चोपड़ा समेत 11 एथलीट्स को खेल रत्न की सिफारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)।

तोक्यो खेलों में व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले सिर्फ दूसरे भारतीय बने भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और रजत पदक विजेता पहलवान रवि दहिया के नाम की सिफारिश बुधवार को खेल रत्न पुरस्कार के लिए की गई। इस बार अभूतपूर्व कुल 11 खिलाड़ियों को देश के सर्वोच्च खेल पुरस्कार के लिए चुना गया है। तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन, अनुभवी हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश और महिला टेस्ट क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली के नाम की सिफारिश भी चयन समिति ने मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के लिए की। दिग्गज सुनील छेत्री इस सम्मान के लिए चुने गए देश के पहले फुटबॉलर बने। पिछले साल पांच खिलाड़ियों को खेल रत्न पुरस्कार के लिए चुना गया जबकि 2016 रियो खेलों के बाद चार खिलाड़ियों को इस पुरस्कार के लिए चुना गया था। तोक्यो पैरालंपिक में हिस्सा लेने वाले पैरा खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर भी विचार करने के लिए राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों की घोषणा में विलंब किया गया। तोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले निशानेबाज अवनि लेखरा और मनीष नरवाल, भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल और बैडमिंटन खिलाड़ियों प्रमोद भगत और कृष्णा नागर को भी खेल रत्न पुरस्कार के लिए चुना गया। समिति ने अर्जुन पुरस्कार के लिए 35 खिलाड़ियों को चुना जो पिछले साल पुरस्कार के लिए चुने गए खिलाड़ियों की संख्या से आठ अधिक है। क्रिकेटर शिखर धवन, पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविना पटेल, पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी सुहास यथिराज और ऊंची कूद के निषाद कुमार अर्जुन पुरस्कार के लिए चुने गए खिलाड़ियों में शामिल हैं। ओलंपिक में एतिहासिक कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम के सदस्यों को भी अर्जुन पुरस्कार दिया जाएगा।

एथलीटों के लिए 27 जनवरी को ओलंपिक गांव के दरवाजे खोलेगा चीन : ओलंपिक समिति

बीजिंग । चीन आगामी बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक खेलों 2022 के लिए 27 जनवरी से एथलीटों के लिए ओलंपिक गांव के दरवाजे खोलेगा। बीजिंग के उप महापौर एवं बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक खेलों 2022 की ओलंपिक समिति के उपाध्यक्ष झांग जियानडोंग ने बुधवार को संवाददाताओं के साथ बातचीत के दौरान इसकी पुष्टि करते हुए कहा, 'शीतकालीन ओलंपिक खेलों के ओलंपिक गांव के दरवाजे आधिकारिक तौर पर 27 जनवरी, 2022 को खुलेंगे। यहां दुनिया भर के एथलीटों का स्वागत किया जाएगा।' उन्होंने दो फरवरी से मशाल रिले के शुरू होने की भी जानकारी दी। मशाल पिछले बुधवार को ग्रीस से बीजिंग पहुंची थी। उल्लेखनीय है कि बीजिंग शीतकालीन खेल दो फरवरी से 20 फरवरी तक और पैरालंपिक खेल चार मार्च से 13 मार्च तक आयोजित होंगे।

मंधाना की पारी पर भारी पड़ी रोड्रिग्स, मेलबर्न की टीम को दिलाई जीत

होबार्ट (एजेंसी)।

जेमिमा रोड्रिग्स की तूफानी नाबाद पारी भारतीय टीम की उनकी साथी स्मृति मंधाना के अर्धशतक पर भारी पड़ गई जिससे उनकी टीम मेलबर्न रेनेगेड्स ने महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) में बुधवार को यहां सिडनी थंडर पर नौ रन से जीत दर्ज की। भारतीय महिला टीम की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज 21 वर्षीय रोड्रिग्स ने 56 गेंदों पर नौ चौकों की मदद से नाबाद 75 रन बनाये जिससे मेलबर्न ने पांच विकेट पर 142 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। भारत की तरफ से पारी की शुरुआत करने वाली मंधाना ने सिडनी के लिये 44 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से 64 रन बनाए लेकिन उनकी टीम निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 133 रन ही बना पाई। इस मैच में दो अन्य भारतीयों टी20 कप्तान हरमनप्रीत कौर और स्पिन आलराउंडर दीप्ति शर्मा ने भी भाग लिया। इन दोनों ने एक एक विकेट लिया। हरमनप्रीत बल्लेबाजी में खास योगदान नहीं दे पाई।मेलबर्न की तरफ से खेल रही हरमनप्रीत ने केट पीटरसन की गेंद पर पगबाधा आउट होने से पहले केवल तीन रन बनाए। उन्होंने नई गेंद संभाली और चार ओवर में 35 रन देकर मंधाना का महत्वपूर्ण विकेट लिया।

दीप्ति ने चार ओवर में 23 रन देकर एक विकेट लिया और बाद में 10 गेंदों पर नाबाद 23 रन बनाए लेकिन वह अपनी टीम सिडनी थंडर को लक्ष्य तक नहीं पहुंचा सकी।

संक्षिप्त समाचार

पेनल्टी शूटआउट में जीता चेल्सी, आर्सनल की आसान जीत

लंदन । चेल्सी ने सत्र में तीसरी बार पेनल्टी शूट आउट में जीत दर्ज करके लीग कप फुटबॉल टूर्नामेंट में आगे कदम बढ़ाए जबकि आर्सनल ने आसानी से क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। रीस जेम्स ने पेनल्टी पर गोल करके चेल्सी को साउथम्पटन पर 4-3 से जीत दिलाई। इससे पहले नियमित समय तक दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर थी। चेल्सी की तरफ से काइ हावर्ट्ज ने गोल किया जबकि चे एडम्स ने दूसरे हाफ के शुरू में साउथम्पटन के लिए बराबरी का गोल दागा। चेल्सी ने इससे पहले एस्टन विला को पेनल्टी शूटआउट में हराकर चौथे दौर में जगह बनायी थी। उसने यूएफा सुपर कप में भी विल्लारीयाल को पेनल्टी शूटआउट में हराया था। प्रीमियर लीग की टीमों के बीच एक अन्य मुकाबले में आर्सनल ने लीड्स को 2-0 से हराया। विजेता टीम की तरफ से कैलम चैम्बर्स और एटी केटियाह ने गोल किए। तीसरे डिवीजन की टीम सुंदरलैंड ने पेनल्टी शूटआउट में दूसरे डिवीजन की क्वीन्स पार्क रेंजर्स को 3-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। नियमित समय तक दोनों टीमें गोल करने में असफल रही थी।

मुझे वास्तव में लगता है कि लोग मेरी फॉर्म के बारे में बात कर रहे हैं जो काफी मजाकिया है : डेविड वार्नर

स्पोर्ट्स डेस्क । ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने श्रीलंका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के अगले मैच से पहले बल्ले से अपनी फॉर्म को लेकर बात की है। ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला मैच जीता लेकिन वार्नर बल्ले से ज्यादा कुछ नहीं कर सके। पिछली पांच टी20 पारियों में उनका स्कोर 0, 2, 0, 1, 14 हैं जिसमें कुछ अभ्यास खेल और आईपीएल 2021 में खेले गए 2 मैच शामिल हैं। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ मैच से पहले कहा कि मुझे वास्तव में लगता है कि लोग मेरे फॉर्म के बारे में बात कर रहे हैं जो काफी मजेदार है। मैं इस मामले पर हंसता हूं क्योंकि दिन के अंत में मैंने शायद ही कोई क्रिकेट खेला हो। उदाहरण के लिए आईपीएल में मेरे पास दो गेम थे। वार्नर ने अभ्यास मैचों पर कहा कि उदाहरण के लिए ये अभ्यास विकेट लगभग 12 सप्ताह से ऊपर हैं। इसलिए उनके लिए ट्रेनिंग काफी कठिन है और साथ ही यह देखते हुए कि विकेट इस समय काफी अच्छे हैं। फिलहाल मैं सिंथेटिक विकेटों पर प्रशिक्षण ले रहा हूं, समय और लय पाने के लिए कुछ पॉलिश कंक्रीट और अपने पैरों को आगे बढ़ा रहा हूं जिससे मुझे मदद मिल रही है। मुझे लगता है कि फिंची ने दूसरे दिन भी ऐसा ही किया था।

वापसी करने में माहिर है भारतीय टीम, वर्ल्ड कप में बड़ी हार के बाद पहुंची थी फाइनल में

(एजेंसी)।

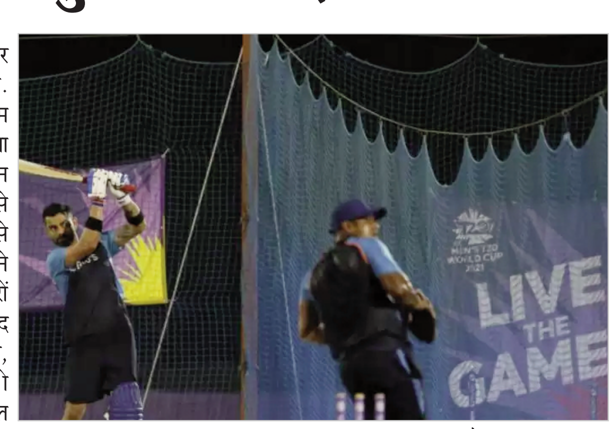

भारतीय टीम के लिए T20 वर्ल्ड कप 2021 में शुरुआत कुछ खास नहीं रही. पहले ही मैच में टीम इंडिया को पाकिस्तान से 10 विकेट से हार का मुंह देखना पड़ा, जिस वजह से भारतीय टीम की हर तरफ आलोचना हो रही है. अगर टीम इंडिया को सेमीफाइनल में पहुंचना है तो उसे अब सभी मुकाबलों में जीत हासिल करनी होगी. वापसी करने में माहिर है भारतीय टीम, वर्ल्ड कप में बड़ी हार के बाद पहुंची थी फाइनल में टीम इंडिया 2007 के बाद से T20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी नहीं जीत पाई है. लेकिन भारतीय टीम इससे पहले भी वर्ल्ड कप में बड़ी हार के बाद वापसी कर चुकी है. 2003 वनडे वर्ल्ड कप में टीम इंडिया ने अपना पहला मुकाबला नीदरलैंड्स से जीता था. लेकिन दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया से उसे बड़ी हार मिली थी. ऑस्ट्रेलिया से मिली हार के बाद टीम इंडिया ने लीग राउंड के अपने अगले चारों में जीत लिए थे. इसके बाद सुपर-6 में भारतीय टीम ने केन्या, श्रीलंका और न्यूजीलैंड को शिकस्त दी थी और सेमीफाइनल में पहुंच गई थी. सेमीफाइनल में टीम इंडिया ने केन्या को हराया था और फाइनल में प्रवेश किया. यानी भारतीय टीम ने हार के बाद लगातार आठ मैच जीते थे. लेकिन फाइनल में टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया से हार गई थी. इस साल भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया दौरा किया था, जहां चार मैचों की टेस्ट सीरीज को 2-1 से अपने नाम किया था. इस सीरीज के पहले मैच में टीम इंडिया 8 विकेट से हारी थी. लेकिन अगले तीन में से दो टेस्ट मैच जीतकर भारतीय टीम ने सीरीज पर अपना कब्जा किया था.

अपनी बल्लेबाजी में बदलाव करने को तैयार स्टीव स्मिथ, कही यह बात

मेलबर्न (एजेंसी)।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की धीमी पिचें टी20 विश्व कप में 'पावर हिटर' बल्लेबाजों को रास नहीं आ रही हैं और इसलिए आस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ अपनी टीम की खातिर अपने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करने के इच्छुक हैं। टी20 विश्व कप में लगभग सभी टीमों को 150 रन के पार पहुंचने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है क्योंकि यूएई की पिचों पर स्ट्रोक खेलना आसान नहीं है। आम तौर पर तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरने वाले स्मिथ परिस्थितियों को अच्छी तरह से समझते हैं और यदि जरूरत पड़ी तो बल्लेबाजी क्रम में और नीचे उतरने के लिये तैयार हैं। स्मिथ ने कहा कि पूर्व की तुलना में मेरी भूमिका थोड़ी बदली हुई है। मेरा काम शीर्ष क्रम के नहीं चल पाने पर पारी संवारना और मेरे साथ जो भी बल्लेबाज हो उसके साथ साझेदारी निभाना है। उन्होंने कहा कि यदि हमारा शीर्ष क्रम अच्छा प्रदर्शन करता है तो मैं बल्लेबाजी क्रम में नीचे उतर सकता हूं ताकि हमारे विस्फोटक बल्लेबाजों को लंबे शॉट खेलने का मौका मिल सके। निश्चित तौर पर यह मेरी भूमिका है। मुझे लगता है कि हमारे अभ्यास मैचों और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच में मैंने यह भूमिका अच्छी तरह से निभायी। मैं जानता हूं कि मुझे क्या करना है।

डिकॉक के घुटने के बल बैठने से इनकार करने पर पोलार्ड ने दिया बड़ा बयान

दुबई । वेस्टइंडीज के कप्तान कीरोन पोलार्ड ने कहा कि 'ब्लैक लाइव्स मैटर' अभियान के समर्थन में घुटने के बल बैठने से इनकार करने के बाद दक्षिण अफ्रीका के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक का मंगलवार को टी20 विश्व कप मुकाबले से हटने का फैसला उनके लिए 'खबर' की तरह आया था और उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इस मुद्दे पर अटकलबाजी नहीं करें। पोलार्ड ने कहा कि वह निजी तौर पर और टीम के रूप में इस अभियान के पक्ष में हैं और नस्लवाद को खत्म करने के लिए अपना योगदान देना जारी रखेंगे। निजी तौर पर, मुझे किसी ऐसे खिलाड़ी की जानकारी नहीं है जो ऐसा (घुटने के बल बैठना) नहीं करना चाहता। मुझे इसकी जानकारी नहीं है। इसलिए यह मेरे लिए खबर की तरह था। आप लोगों को इस मामले में हमारे विचारों की जानकारी है। एक टीम के रूप में हम इसके पक्ष में हैं और व्यक्ति के रूप में भी और हम ऐसा करना जारी रखेंगे।

टी20 वर्ल्ड कप : इंग्लैंड ने बांग्लादेश को 8 विकेट से हराया

अबु धाबी (एजेंसी)।

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के सुपर 12 में बुधवार को यहां शेख जायद स्टेडियम में खेले गए मैच में इंग्लैंड ने बांग्लादेश को 8 विकेट से रौंद दिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश ने 9 विकेट के नुकसान पर 124 रन बनाए थे। इसके जवाब में रनों का पीछा करने मैदान पर उतरी इंग्लैंड की टीम ने 14.1 ओवरों में ही इस लक्ष्य को पूरा कर लिया। जेसन रॉय (61) ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। अबु धाबी की धीमी पिच पर जहां बांग्लादेश को रन बनाने में दिक्कत हुई। वहीं, इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने बेहतरीन बल्लेबाजी कर टूर्नामेंट में दूसरी जीत दर्ज की। बांग्लादेश की ओर से मेंहदी हसन और शोरिफरुल इस्लाम को एक-एक विकेट मिला। वहीं, इंग्लिश बल्लेबाजों के सामने बाकी गेंदबाज घुटने टेकते नजर आए। इस धीमी पिच पर सभी गेंदबाज महंगे साबित हुए। लक्ष्यों का पीछा करने उतरी इंग्लैंड टीम के तूफानी शुरुआत की। राय और जॉस बटलर की सलामी जोड़ी ने पारी का आगाज किया और चौके-छक्के लगाते चले गए। इस दौरान पावर प्ले में टीम ने एक विकेट के नुकसान पर 39 रन बनाए। लेकिन बटलर हसन की गेंद पर आउट हो गए। इस बीच, रॉय ने शानदार पारी खेलते हुए पांच चौके और तीन छक्कों की मदद से 45 गेंदों पर 61 रन बनाकर टीम को जीत की दहलीज पर पहुंचाने के बाद आउट हो गए। साथ ही, तीसरे और चौथे नंबर के बल्लेबाज डेविड मलान (28) और जॉनी बेयरस्टो (8) रन बनाकर टीम को आसान जीत दिलाई। इससे पहले, बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरूआत अच्छी नहीं रही थी और पावर प्ले में तीन विकेट खोकर महज 27 रन ही बना सके। इस दौरान, लिटन दास (9) मोहम्मद नईम (5) शाकिब अल हसन (4) रन बनाकर जल्द ही आउट हो गए। चौथे नंबर पर आए मुशफिकुर रहीम ने 3 चौके की मदद से 29 गेंदों पर 30 रन बनाकर लिविंगस्टोन की गेंद पर आउट हो गए। इस बीच, कप्तान महमुदुल्लाह और अफीफ हुसैन मैदान पर टिके रहे। थोड़ी देर बाद, महमुदुल्लाह (19) भी लिविंगस्टोन की गेंद पर वॉक्स को कैच थमा बैठे। मैच के आखिरी ओवरों में बांग्लादेश टीम का विकेट लगातार गिरते रहे, जिसके कारण उनका 100 रन भी बनना मुश्किल लग रहा था। लेकिन नुरुल हसन और मेहंदी हसन की साझेदारी ने टीम को 100 रन के पार पहुंचा दिया। फिर 18 ओवर में 11 रन बनाकर हसन आउट हो गए। आखिर के कुछ ओवरों में नुरुल हसन (15) और एन अहमद (19) की अच्छी बल्लेबाजी के कारण टीम का स्कोर 124 तक पहुंच सका।

पुष्कर में सैलानी उठाते हैं मरुस्थल का लुत्फ, लजीज व्यंजन और लोक नृत्यों का है संगम

अजमेर जिला रेगिस्तानी जिलों में शामिल नहीं है परन्तु अजमेर का पुष्कर चारों और से रेगिस्तान की रेत से घिरा है। यहां जेसलमेर में सम जैसे आकर्षक रेतीले घोरें नहीं हैं परंतु सैलानियों को राजस्थान की ग्रामीण संस्कृति से बखूबी परिचित कराते हैं।

आकर्षण

पुस्कर में पर्यटकों के लिए कार्तिक पूर्णिमा पर ऊँट उत्सव, अंतर्राष्ट्रीय हॉट एयर बैलून फेस्टिवल, सावित्री मन्दिर पर केबल राइड, वराह घाट पर पुष्कर आरती, रॉक क्लाइम्बिंग, रैपलिंग, क्वैड बाइकिंग, साइकिलिंग, सनसेट के साथ केमल सफारी, पूरी रात केमल सफारी, केमल सफारी के साथ लक्ज़री नाईट कैंपिंग, केमल कार्ट सफारी, जीप सफारी, हॉर्स राइडिंग, ज़िप्लिनिंग मनोरंजन के प्रमुख आकर्षण हैं। पर्यटक रेगिस्तान के अनदेखे क्षेत्र के इन आकर्षणों का यहाँ लुत्फ उठा सकते हैं। जयपुर के पास रेगिस्तान देखने की इच्छा रखने वाले पर्यटकों के लिए जयपुर से मात्र 150 किमी. एवं अजमेर से 11 किमी.दूरी पर पुष्कर सर्वश्रेस्ठ विकल्प है। पूरे वर्ष ही भारत एवं अन्य देशों के पर्यटक पुष्कर का डेजर्ट क्षेत्र देखने आते हैं और ग्रामीण केमल सफारी, नाईट कैंपिंग,लजीज व्यंजन और लोक नृत्यों का लुत्फ उठाते हैं।

प्रतिवर्ष यहां पर कार्तिक पूर्णिमा को पुष्कर मेला लगता है, जिसमें बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक भी आते हैं। हजारों हिन्दु लोग इस मेले में आते हैं और अपने को पवित्र करने के लिए पुष्कर झील में स्नान करते हैं। भारत में किसी पौराणिक स्थल पर आम तौर पर जिस संख्या में पर्यटक आते हैं, पुष्कर में आने वाले पर्यटकों की संख्या उससे कहीं ज्यादा है। इनमें बडी संख्या विदेशी सैलानियों की है, जिन्हें पुष्कर खास तौर पर पसंद है। हर साल कार्तिक महीने में लगने वाले पुष्कर ऊंट मेले ने तो इस जगह को दुनिया भर में अलग ही पहचान दे दी है। मेले के समय पुष्कर में कई संस्कृतियों का मिलन देखने को मिलता है। एक तरफ तो मेला देखने के लिए विदेशी सैलानी बडी संख्या में पहुंचते हैं, तो दूसरी तरफ राजस्थान व आसपास के तमाम इलाकों से आदिवासी और ग्रामीण लोग अपने-अपने पशुओं के साथ मेले में शामिल होने आते हैं। मेला रेत के विशाल मैदान में लगाया जाता है। ढेर सारी कतार की कतार दुकानें, खाने-पीने के स्टाल, सर्कस, झूले और न जाने क्या-क्या। ऊंट मेला और रेगिस्तान की नजदीकी है इसलिए ऊंट तो हर तरफ देखने को मिलते ही हैं। वर्तमान में इसका स्वरूप विशाल पशु मेले का हो गया है।

मनोरंजन

दिलचस्प ऊंट सौंदर्य प्रतियोगिता , सजे-धजे ऊंट का नृत्य, मटकीफोड़, लम्बी मूंछें और दुल्हन की प्रतियोगिताएं पर्यटकों का खूब मनोरंजन करती हैं। रात्रि में लोक कलाकारों के सुर-ताल की जुगलबंदी और रंगबिरंगे नृत्यों से पर्यटक आनन्दित होते हैं। अनेक प्रदर्शनियां भी सजाई जाती हैं। परेड और दौड़ को हजारों देशी और विदेशी पर्यटक रुचिपूर्वक देखते हैं। स्मृतियों को संजोने के लिए पर्यटक हर तरफ फ़ोटो खीचते नज़र आते हैं। पर्यटकों के लिए पुष्कर में सरोवर एवं कई मन्दिर भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय हॉट एयर बैलून भी प्रबल आकर्षण बन गया है।

ब्रह्ममा मन्दिर

पुष्कर सुरण्य नागा पहाड़ की गोद में रेतीले धरातल पर बसा है। पुष्कर का महात्म्य वेद, पुराण, महाकाव्य, साहित्य, शिलालेख एवं लोक कथाओं में वर्णित है। पुष्कर को मंदिरों के शहर के रूप में भी जाना जाता है। यहाँ लगभग 500 मंदिर बताए जाते हैं। ब्रह्माजी का मंदिर देश भर में अकेला प्रसिद्ध मन्दिर है। धरातल से करीब 50 फीट की ऊंचाई पर स्थित मन्दिर के प्रवेश द्वार के भीतरी भाग पर ब्रह्मा का वाहन राजहंस है। प्रमुख मंदिर के गर्भगृह में ब्रह्मा जी की बैठी हुई मुद्रा में प्रतिमा स्थापित है। चतुर्मुखी इस प्रतिमा के तीन मुख सामने से दिखाई देते हैं। प्रतिमा को करीब 800 वर्ष पुराना बताया जाता है। सैंकड़ों वर्षों से प्रतिमा का प्रतिदिन जलस्नान व पंचामृत अभिषेक किया जाता है। मंदिर के आंगन में ब्रिटिशकालीन एक-एक रूपये के सिक्के जड़े हैं। संगमरमर के कलात्मक स्तंभ मोह लेते हैं। मंदिर परिक्रमा मार्ग में सावित्री माता का मंदिर स्थापित किया गया है। परिसर में अन्य मन्दिर भी दर्शनीय हैं।

पुष्कर सरोवर

अर्धचन्द्राकार पवित्र पुष्कर सरोवर प्रमुख धार्मिक पर्यटक स्थल है। यहां 52 घाट बने हैं, जिन पर 700 से 800 वर्ष प्राचीन विभिन्न देवी-देवताओं के मंदिर बनाए गए हैं। देश के चार प्रमुख सरोवरों में माना जाने वाला पुष्कर सरोवर की धार्मिक आस्था का पता इसी बात से चलता है कि यहां स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। प्रातःकाल की वेला में जब सूर्योदय होता है तथा गोधूलि की वेला में जब सूर्यास्त होता है पुष्कर का दृष्य अत्यंत ही मनोरम होता है। इस दृष्य को देखने के लिए घाटों पर सैलानियों और श्रद्धालुओं का जमावड़ा देखा जा सकता है।

वराह मन्दिर

प्राचीनता की दृष्टि से करीब 900 वर्ष पुराना वराह मंदिर का निर्माण अजमेर के चैहान शासक अर्णीराज ने कराया था। पुष्कर सरोवर के वराह घाट के पास स्थित वराह चौंक से एक रास्ता बस्ती के भीतर इमली मोहल्ले तक जाता है, जहां यह विशाल मंदिर स्थापित है। करीब 30 फुट ऊंचा मंदिर, चौड़ी सीढ़ियां तथा किले जैसा प्रवेश द्वार आकर्षण का केन्द्र है। बताया जाता है कि कभी मंदिर का शिखर 125 फीट ऊंचा था, जिस पर सोन चराग (स्वर्ण दीप) जलता था, जो दिल्ली तक दिखाई देता था। मुख्य मंदिर में विष्णु के अवतार वराह भगवान की मूर्ति स्थापित है। मूर्ति के नीचे सप्त धातु से निर्मित करीब सवा मन वजन की लक्ष्मी-नारायण की प्रतिमा है। यहीं पर बून्दी के राजा द्वारा भेंट किया गया लोहे का सवा मनी भाला रखा गया है। जलझूलनी ग्यारस पर लक्ष्मी-नारायण की सवारी धूमधाम से निकाली जाती है। चैत्र माह में वराह नवमी के दिन भगवान का जन्मदिन मनाया जाता है। जन्माष्टमी व अन्नकूट के अवसर पर उत्सव आयोजित किए जाते हैं। मंदिर में विशेष कर चावल का प्रसाद चढ़ता है। वराह घाट पर संध्या आरती का दृश्य देखे ही बनता है।

श्री रमा वैकुण्ठ मंदिर

ब्रह्मा जी के मंदिर के बाद इस मंदिर का विशेष महत्व है, जिसे रंगा जी का मंदिर भी कहा जाता है। मंदिर करीब 20 बीघा भूमि पर बना है। मंदिर का प्रवेश द्वार आकर्षक एवं विशाल है। भीतर जाने पर सामने ही रमा वैकुण्ठ का मंदिर नजर आता है। मंदिर के ऊतंग गोपुरम पर 350 से अधिक देवताओं के चिन्ह बने हैं। यह गोपुरम दक्षिण भारतीय स्थापत्य कला शैली का अनुपम उदाहरण है। मंदिर के सामने प्रांगण में ही एक बड़ा स्वर्णिम गरूड़ ध्वज नजर आता है। मंदिर के पास अभिमुख गरूड़ मंदिर स्थापित है। मुख्य मंदिर के चारों तरफ पक्के दालान के बीच में तीन-चार फीट ऊंचे चैकोर बड़े संगमरमरी चबूतरे पर मंदिर स्थित है। मुख्य प्रतिमा व्यंकटेश भगवान विष्णु की काले पत्थरों की आभूषणों एवं वस्त्रों से सुसज्जित है। इसी को वैकुण्ठ नाथ की प्रतिमा कहा जाता है। मंदिर में ही श्रीदेवी, तिरूपति नाथ, भूदेवी, लक्ष्मी व नरसिंह की मूर्तियां भी हैं। परिक्रमा मार्ग में दोनों तरफ दीवारों पर आकर्षक रंगीन चित्र एवं संगमरमर के कलात्मक स्तंभ बने हैं। सम्पूर्ण परिक्रमा मार्ग अत्यंत लुभावना लगता है।

रंगनाथ वेणुगोपाल मंदिर

दक्षिण भारत स्थापत्य शैली पर आधारित भगवान रंगनाथ वेणुगोपाल का विशाल मंदिर वराह चौंक के पास स्थित है। मंदिर का निर्माण दक्षिण भारत के एक सेठ पूरनमल गनेरीवाल द्वारा 1844 ईस्वी में करवाया गया था। मंदिर का गोपुरम और कलश दूर से ही नजर आता है। विशाल द्वार से अंदर प्रवेश करने पर पक्का दालान और कमरे बने हैं। यहीं पर उतंग स्वर्णिम गरूड़ ध्वज है, जिसके पास गरूड़ का छोटा सा मंदिर है, जो भगवान वेणुगोपाल की तरफ मुख किए हुए है। दांयी ओर मुख्य मंदिर की सीढ़ियां जाती हैं। गर्भगृह में बंशी बजाते हुए भगवान वेणुगोपाल की श्याम वर्ण की लुभावनी प्रतिमा है। मंदिर मकराना के श्वेत पत्थर से निर्मित है, जिसके दोनों ओर जय-विजय द्वारपाल हैं। इसी मंदिर में रूकमणी, श्रीकृष्ण, भूदेवी, सत्यभामा की पंचधातु की प्रतिमाएं हैं। चैत्र माह में भगवान रंगनाथ का विवाह उत्सव मनाया जाता है।

अरावली पर्वत की घाटियों में बसा रणकपुर जैन मंदिर

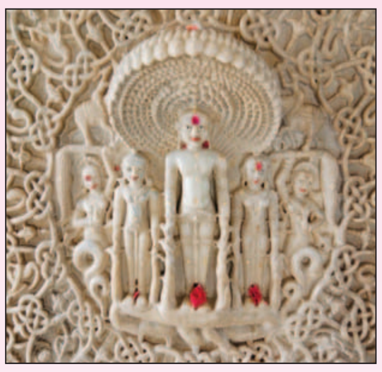

राजस्थान में अरावली पर्वत की घाटियों के मध्य चारों ओर जंगलों से घिरे रणकपुर में भगवान ऋषभदेव का चतुर्मुखी जैन मंदिर है। जंगलों से घिरे होने के कारण इस मंदिर की भव्यता देखते ही बनती है। भारत के जैन मंदिरों में संभवतः इसकी इमारत सबसे भव्य एवं विशाल है। रणकपुर मंदिर उदयपुर से 96 किलोमीटर की दूरी पर है।

इस मंदिर की इमारत लगभग 40,000 वर्गफीट में फैली है। आज से करीब 600 वर्ष पूर्व 1446 विक्रम संवत में इस मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ था, जो 50 वर्षों से अधिक समय तक चला। कहा जाता है कि उस समय में इसके निर्माण में करीब 99 लाख रुपए का खर्च आया था। इस मंदिर में 4 कलात्मक प्रवेश द्वार हैं। मंदिर के मुख्य गृह में तीर्थंकर आदिनाथ की संगमरमर से बनी 4 विशाल मूर्तियां हैं। करीब 72 इंच ऊंची ये मूतियां 4 अलग दिशाओं की ओर उन्मुख हैं। इसी कारण इसे चतुर्मुख मंदिर कहा जाता है। इसके अलावा मंदिर में 76 छोटे गुम्बदनुमा पवित्र स्थान, 4 बड़े प्रार्थना कक्ष तथा 4 बड़े पूजन स्थल हैं। ये मनुष्य को जीवन-मृत्यु की 84 योनियों से मुक्ति प्राप्त कर मोक्ष प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं।

इस मंदिर की प्रमुख विशेषता इसके सैकड़ों खंभे हैं जिनकी संख्या करीब 1,444 है। यहां आप जिस तरफ भी नजर घुमाएंगे आपको छोटे-बड़े आकारों के खंभे दिखाई देते हैं, परंतु ये खंभे इस प्रकार बनाए गए हैं कि कहीं से भी देखने पर मुख्य पवित्र स्थल के दर्शन में बाधा नहीं पहुंचती है। इन खंभों पर अतिसुंदर नक्काशी की गई है। इन खंभों की खास विशेषता यह है कि ये सभी अनोखे और अलग-अलग कलाकृतियों से निर्मित हैं। मंदिर की छत पर की गई नक्काशी इसकी उत्कृष्टता का प्रतीक है।

मंदिर के निर्माताओं ने जहां कलात्मक दोमंजिला भवन का निर्माण किया है, वहीं भविष्य में किसी संकट का अनुमान लगाते हुए कई तहखाने भी बनाए गए हैं। इन तहखानों में पवित्र मूर्तियों को सुरक्षित रखा जा सकता है। ये तहखाने मंदिर के निर्माताओं की निर्माण संबंधी दूरदर्शिता का परिचय देते हैं।

विक्रम संवत 1953 में इस मंदिर के रखरखाव की जिम्मेदारी एक ट्रस्ट को दे दी गई थी। उसने मंदिर के पुनरुद्धार कार्य को कुशलतापूर्वक कर इसे एक नया रूप दिया। पत्थरों पर की गई नक्काशी इतनी भव्य है कि कई विख्यात शिल्पकार इसे विश्व के आश्चर्यों में से एक बताते हैं। हर वर्ष हजारों कलाप्रेमी इस मंदिर को देखने आते हैं। इसके अलावा यहां संगमरमर के टुकड़े पर भगवान ऋषभदेव के पदचिह्न भी हैं। ये भगवान ऋषभदेव तथा शत्रुंजय की शिक्षाओं की याद दिलाते हैं।

रणकपुर का निर्माण कैसे हुआ- इस मंदिर का निर्माण 4 श्रद्धालुओं- आचार्य श्यामसुंदरजी, धरन शाह, कुंभा राणा तथा देपा ने कराया था। आचार्य सोमसुंदर एक धार्मिक नेता थे जबकि कुंभा राणा मलगढ़ के राजा तथा धरन शाह उनके मंत्री थे। धरन शाह ने धार्मिक प्रवृत्तियों से प्रेरित होकर भगवान ऋषभदेव का मंदिर बनवाने का निर्णय लिया था।

कहा जाता है कि एक रात उन्हें स्वप्न में नलिनीगुल्मा विमान के दर्शन हुए, जो पवित्र विमानों में सर्वाधिक सुंदर माना जाता है। इसी विमान की तर्ज पर धरन शाह ने मंदिर बनवाने का निर्णय लिया। मंदिर निर्माण के लिए धरन शाह ने कई वास्तुकारों को आमंत्रित किया। इनके द्वारा प्रस्तुत कोई भी योजना उन्हें पसंद नहीं आई। अंततः मुंदारा से आए एक साधारण से वास्तुकार दीपक की योजना से वे संतुष्ट हो गए।

मंदिर निर्माण के लिए धरन शाह को मलगढ़ नरेश कुंभा राणा ने जमीन दी। उन्होंने मंदिर के समीप एक नगर बसाने का भी सुझाव दिया। मंदिर के समीप मदगी नामक गांव को इसके लिए चुना गया तथा मंदिर एवं नगर का निर्माण साथ ही प्रारंभ हुआ। राजा कुंभा राणा के नाम पर इसे रणपुर कहा गया, जो बाद में रणकपुर के नाम से प्रसिद्ध हुआ। आज का रणकपुर पुरानी विरासत और इसे सहेजकर रखने वालों के बारे में भी संदेश देता है जिनके कारण रणकपुर मात्र एक विचार से वास्तविकता में बदल सका।

वैसे भी राजस्थान अपने भव्य स्मारकों तथा भवनों के लिए प्रसिद्ध है। राजस्थुन में स्थित रणकपुर मंदिर जैन धर्म के 5 प्रमुख तीर्थस्थरलों में से एक है। यह मंदिर खूबसूरती से तराशे गए प्राचीन जैन मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर परिसर के आसपास ही नेमीनाथ और पार्श्वनाथ को समर्पित 2 मंदिर हैं, जो हमें खजुराहो की याद दिलाते हैं। यहां निर्मित सूर्य मंदिर की दीवारों पर योद्धाओं और घोड़ों के चित्र उकेरे गए हैं, जो अपने आप में एक उत्कृष्ट उदाहरण के समान है। यहां से लगभग 1 किलोमीटर दूरी पर माता अम्बा का मंदिर भी है।

कैसे पहुंचें:-

सड़क मार्ग:- उदयपुर देश के प्रमुख शहरों से सड़कों के जरिए जुड़ा हुआ है। उदयपुर से यहां के लिए प्राइवेट बसें तथा टैक्सियां उपलब्ध रहती हैं। आप यहां अपने निजी वाहन से भी जा सकते हैं।

रेलवे:- यहां पहुंचने के लिए निकटतम रेलवे स्टे शन उदयपुर ही है, साथ ही रणकपुर के लिए सभी प्रमुख शहरों से रेलगाड़ियां उपलब्धे हैं।

वायु मार्ग:- रणकपुर पहुंचने के लिए नजदीकी हवाई अड्डा उदयपुर है। दिल्लीं, मुंबई से यहां के लिए नियमित उड़ानें हैं।

आसपास के क्षेत्रों में पावापुरी सिरोही, संघवी भेरूतारक तीर्थ धाम, माउंट आबू, दिलवाड़ा का विख्यात जैन मंदिर भी हैं, जहां आसानी से पहुंचा जा सकता है।

कोरोना वैक्सीन माडर्ना का दावा- 6 से 11 साल के बच्चों के लिए है सुरक्षित

वाशिंगटन। माडर्ना इंक ने दावा किया है कि इसका कोरोना वैक्सीन 6 से 11 साल के बच्चों के लिए उचित है। इसका कहना है कि माडर्ना की खुराक लेने के बाद बच्चों का इम्यून सिस्टम और मजबूत होता है। दरअसल माडर्ना जल्द ही इससे जुड़े अपने सभी डाटा को ग्लोबल रेगुलेटर्स को देने की योजना बना रही है। माडर्ना ने कहा कि इसके दो डोज वाली वैक्सीन लेने के बाद बच्चों में कोरोना वायरस को खत्म करने वाले एंटीबडीज बन जाएंगे।

इसने अंतरिम डाटा का हवाला दिया। माडर्ना ने एक रिलीज में बताया है कि रिसर्चरों ने 6-11 साल के बच्चों को एक महीने के अंतराल में वैक्सीन के दो शॉट दिए। इसमें व्यस्कों को दी जा रही खुराक का आधा बच्चों को दिया गया। इसके नतीजे में देखा गया कि जिस तरह वैक्सीन लेने बाद व्यस्कों में एंटीबडीज बने वैसे ही बच्चों के शरीर में भी इसका रेस्पांस था। 18 साल से अधिक उम्र वालों के लिए माडर्ना को मान्यता मिल चुकी है और इसकी खुराकें लगाई जा रही हैं।

पेंटागन: पड़ोसियों को डरा-धमका रहा चीन, राष्ट्रीय सुरक्षा व आर्थिक हितों के लिए बन रहा खतरा

बीजिंग। दक्षिण एशिया में चीन अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। वह लगातार ऐसी हरकतें कर रहा है, जिससे पड़ोसी देशों पर राष्ट्रीय सुरक्षा व आर्थिक हितों का खतरा पैदा हो। अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन ने कहा कि चीन अपने पड़ोसी देशों पर दबाव बना रहा है और राष्ट्रीय सुरक्षा व आर्थिक हितों जैसे मुद्दे पर उन्हें लगातार डरा-धमका व मजबूर कर रहा है।

पेंटागन के मीडिया सचिव जॉन किर्बी ने कहा कि चीन की हरकतें हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति स्थापित करने के अनुकूल नहीं हैं। वह लगातार ऐसी हरकतें कर रहा है, जिससे पड़ोसी देशों को राष्ट्रीय सुरक्षा व आर्थिक हितों का खतरा पैदा हो रहा है। चीन की हरकतें पड़ोसी देशों को धमकाने व उन्हें मजबूर करने जैसी हैं। किर्बी ने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में मौजूदा सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए बाइडन प्रशासन ने अपने गठबंधनों और साझेदारियों को और मजबूत किया है। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसी भी चुनौती से निपटने के लिए हमारे पास पर्याप्त रक्षात्मक क्षमताएं हों। इसलिए हम लगातार मेहनत कर रहे हैं।

नेपाल में बाढ़ : प्रधानमंत्री देउबा ने कहा- राहत के लिए विदेशी मदद लेने में संकोच नहीं करेगी सरकार

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने कहा कि बेमौसम बारिश की वजह से देश में आई विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन के बाद राहत कार्यों में मदद के लिए उनकी सरकार वैश्विक मदद मांगने में संकोच नहीं करेगी। अधिकारियों ने बताया कि यहां पर अब तक कम से कम 111 लोगों की जान प्राकृतिक आपदा के कारण जा चुकी है। वहीं तीन प्रांतों में करीब 7.2 अरब नेपाली रुपये मूल्य की धान की फसल नष्ट हो गई है। बाढ़ और भूस्खलन की वजह से कम से कम 40 लोग लापता हैं। इटाहरी में एक कार्यक्रम के दौरान देउबा ने कहा, बेमौसम बारिश के कारण नेपाल में जानमाल का काफी नुकसान हुआ है।

अमरिंदर की दोस्त अरूसा ने तोड़ी चुप्पी, सुखजिंदर रंधावा व मुस्तफा को लेकर कही बड़ी बात

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी पत्रकार अरूसा आलम ने आखिर कैप्टन अमरिंदर और ढ्रस्ढ्र के साथ संबंधों को लेकर चुप्पी तोड़ दी है। इस दौरान अरूसा आलम ने पंजाब के उपमुख्यमंत्री और गृह विभाग का प्रभार संभाल रहे सुखजिन्दर सिंह रंधावा और नवजोत सिंह सिद्धू पर निशाना साधते हुए कहा कि वह इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस के साथ अपने कथित संबंधों को लेकर भारतीय एजेंसियों की जांच में सहयोग करने के लिए तैयार हैं। सुखजिन्दर सिंह रंधावा ने पिछले सप्ताह कहा था कि आलम का पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के साथ कोई संबंध है या नहीं इसकी जांच की जाएगी।आलम ने इन आरोपों को ''अपमानजनक और बेहद निराशाजनक' बताया। आलम ने कहा, ''अगर भारत की केन्द्रीय एजेंसियां इस मामले की जांच करना चाहती हैं तो मैं सहयोग करने को तैयार हूं। भारत मेरे खिलाफ आधारहीन प्रोपगैंडा की जांच करने के लिए किसी तीसरे देश के जांचकर्ताओं की भी मदद ले सकता है।' उन्होंने कहा, ''16 साल पहले जब किन्हीं कारणों से मुझे भारतीय वीजा देने से मना कर दिया गया था, उस वक्त भारत सरकार ने ऐसी जांच की थी और बाद में वीजा जारी किया गया था।' पत्रकार ने कहा कि वह अंतिम बार नवंबर में भारत यात्रा पर गयी थीं और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिन्दर सिंह इस विवाद के बावजूद अभी भी मेरे अच्छे मित्र हैं।'

उन्होंने कटाक्ष किया कि उनके माध्यम से ISI ने आखिर क्या 'राज' हासिल कर लिया होगा।

उन्होंने गुस्से में कहा, ''ये आरोप अपमानजनक और बेहद निराशाजनक हैं।' रंधावा के बयान पर कि ISI के साथ महिला पत्रकार के संबंध हैं या नहीं इसकी पुष्टि करने के लिए जांच की जाएगी, आलम ने आरोप लगाया, ''ISI के साथ मेरे तार जोड़ने का विचार नवजोत सिंह सिद्धू के मुख्य रणनीतिकार (मोहम्मद) मुस्तफा का होगा। संभवतः उन्होंने सिद्धू को सलाह दी होगी कि मुख्यमंत्री बनने के प्रयास में बुरी तरह विफल होने के बाद वह ISI वाली बात कहें। ISI वाली बात भारत में खूब पसंद की जाती है।' महिला पत्रकार ने ISI के साथ उनके संबंधों की जांच करवाने के रंधावा के दावे को लेकर उनके अधिकार क्षेत्र पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा, ''रंधावा को उनका अधिकार क्षेत्र नहीं पता है। लेकिन, अगर वह मेरी जांच करना चाहते हैं तो, उनका बहुत स्वागत है।' रंधावा ने दावा किया कि अमरिन्दर सिंह वर्षों से आलम के मित्र हैं और वह वर्षों से भारत में रह रही थीं और केन्द्र ने समय-समय पर उनका वीजा बढ़ाया है। पंजाब में पिछले महीने हुए राजनीतिक बदलावों के संदर्भ में उन्होंने हाल ही में सवाल किया, ''अरूसा साढ़े चार साल तक भारत में रहीं और समय-समय पर उनकी वीजा अवधि बढ़ाई गई। दिल्ली ने उनका वीजा रद्द क्यों नहीं किया? जब हम अमरिन्दर सिंह के खिलाफ गए तब उन्होंने भारत क्यों छोड़ा?' अमरिन्दर ने कांग्रेस नेता पर पलटवार करते हुए कहा कि रंधावा उन पर निजी हमले कर रहे हैं।

भारत-किर्गिस्तान की बैठक में अफगानिस्तान रहा मुख्य मुद्दा, दोनों देशों ने सुरक्षा चुनौतियों पर की बात

कर्गिस्तान। किर्गिस्तान के सुरक्षा परिषद के सचिव इमानकुलोव पहली रणनीतिक बातचीत के लिए भारत दौरे पर हैं। इमानकुलोव का भारत दौरा इसी महीने विदेश मंत्री एस जयशंकर के किर्गिस्तान दौरे के दो हफ्ते बाद हो रहा है। इस दौरान भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने अपने किर्गिस्तान के समकक्ष लेफ्टिनेंट जनरल मरात इमानकुलोव के साथ अफगानिस्तान में मौजूदा स्थिति और अन्य क्षेत्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर चर्चा की।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों देशों ने आतंकवाद और उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई में सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए। साथ ही उन्होंने तालिबान के कब्जे के बाद अफगानिस्तान में पैदा हुई स्थिति को लेकर चर्चा की। सूत्र

ने बताया कि दोनों पक्षों ने अफगानिस्तान के खास संदर्भ के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों के साथ दोनों देशों के सामने मौजूदा खतरों और चुनौतियों को लेकर चर्चा की।' सूत्र ने बताया, 'दोनों पक्षों ने इन मामलों पर एक समान राय का स्वागत किया और आतंकवाद, उग्रवाद, नार्कोटिक्स कंट्रोल और रक्षा सहयोग समेत द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए। अफगानिस्तान के मुद्दे पर भी दोनों देशों ने एकसमान विचार साझा किए। किर्गिस्तान शंघाई सहयोग संगठन के संस्थापक सदस्यों में है। एससीओ की स्थापना 2001 में रूस, चीन, किर्गिस्तान, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपतियों ने की थी। भारत और पाकिस्तान 2017 में इसके स्थाई सदस्य बने थे, जबकि ईरान 2021 में इसका सदस्य बना। एससीओ को NATO के जवाब में बना गठबंधन माना जाता है, जो सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय गठबंधनों में से एक के रूप में उभरा है।

चीन में तेजी से बढ़ रहे इंसानों में बर्ड फ्लू के मामले, स्वास्थ्य विशेषज्ञ ने जताई गंभीर चिंता

सिंगापुर। सिंगापुर की कंपनियों ने भारत, बांग्लादेश और अन्य दक्षिण एशियाई देशों के लिए अपनी सीमा फिर से खोलने के सरकार के कदम का स्वागत किया है क्योंकि इससे निर्माण क्षेत्र में श्रमिकों की कमी दूर हो सकेगी। हालांकि, कंपनियां श्रम प्रधान निर्माण क्षेत्र के लिए श्रमशक्ति की अनुमति देने वाले कदमों पर स्पष्टता चाहती हैं। 'चैनल न्यूज एशिया' की खबर के मुताबिक, कोविड-19 महामारी की वजह से लागू प्रतिबंधों के कारण यहां कई कंपनियां श्रमिकों की कमी से जूझ रही हैं। अब जब सरकार ने अपनी सीमा फिर से खोल दी है तो कंपनियों ने अनिश्चितता जाहिर की है कि कितनी संख्या में दक्षिण एशियाई देशों से श्रमिकों को यहां आने की अनुमति दी जाएगी। सिंगापुर ने बांग्लादेश, भारत, म्यांमा, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका के यात्रियों को मंगलवार देर रात 11 बजकर 59 मिनट से देश में प्रवेश की अनुमति दे दी है। हालांकि इसमें लघु अवधि के लिए आने वाले यात्री शामिल नहीं हैं। 'स्ट्रेट्स कंस्ट्रक्शन' कंपनी ने इन कदमों का स्वागत किया। इसके ज्यादातर श्रमिक दक्षिण एशियाई हैं। चैनल ने कंपनी के कार्यकारी निदेशक केनेथ लू को यह कहते हुए उद्धृत किया कि जिस संख्या में श्रमिक आ रहे हैं, वह यहां से जा रहे लोगों की संख्या की तुलना में कम हैं। इन देशों के यात्री श्रेणी-चार प्रतिबंधों के दायरे में आते हैं, जिनके तहत कोविड-19 प्रतिबंधों के मद्देनजर समर्पित केंद्रों में उनके लिए 10 दिन तक पृथकवास में रहना अनिवार्य है।

मल्टी मिलियनेयर 33 साल के होटल व्यवसायी विवेक चड्ढा की लंदन में मौत, दो माह पहले हुई थी शादी

लंदन। मल्टी मिलियन डॉलर नाइन ग्रुप के प्रमुख 33 वर्षीय युवा होटल व्यवसायी विवेक चड्ढा का लंदन में एक पार्टी नाइट के कुछ घंटे बाद मौत हो गई। कुछ हफ्ते पहले ही उन्होंने अपनी ड्रीम वुमन से शादी की थी। उन्हें ग्रेट ब्रिटेन में एक महत्वाकांक्षी उद्यमी होने का गौरव प्राप्त था। ब्रिटिश मीडिया की रिपोर्ट्स में उनकी मौत को बहुत ही दुखद बताया गया।

मौत के कारण अभी स्पष्ट नहीं

जानकारी के मुताबिक नाइट पार्टी के बाद वह अपने घर नहीं पहुंचे थे और पार्टी के कुछ घंटे बाद मृत पाए गए थे। एक रात पहले उन्होंने एक पॉश नाइट क्लब में पार्टी की थी। मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। उनके शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों का पता चल पाएगा। उनके आसपास के लोग फिलहाल इसे प्राकृतिक मौत मान रहे हैं।चड्ढा की पत्नी स्तुति चड्ढा (29) के लिए अब एक दुनिया में अब अचानक अंधेरा छा गया है। इस जोड़े ने दो महीने

पहले ही अपनी ग्लैमरस शादी का जश्न मनाया था।

यू.के. में नाइन ग्रुप के 18 होटल: वह अभी भी सदमे में है। स्तुति चड्ढा ने कहा कि अब मुझे अपने जीवन के प्यार के नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। चड्ढा मल्टी मिलियन डॉलर नाइन ग्रुप के मालिक थे। यह एक ऐसी कंपनी है जिसके पास यू.के. में 18 होटल हैं और इनमें 800 से अधिक लोग कार्यरत हैं। 2012 में उन्होंने अपने पिता के साथ साम्राज्य की स्थापना की थी। उसके बाद उनका व्यावसाय ब्रिटेन के कई हिस्सों में फैलता चला गया। बताया जा रहा है कि ब्रिटिश राजनीतिज्ञों के साथ भी उनके घनिष्ठ संबंध थे।

अमेरिका की पूर्व राजनयिक हेली और सांसद वाल्ट्ज ने भारत के साथ गठबंधन करने की अपील की

वाशिंगटन। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत निकी हेली और सांसद माइक वाल्ट्ज ने भारत एवं अमेरिका के बीच गठबंधन का आह्वान करते हुए कहा कि इससे दोनों देशों को क्षेत्र में चीन के आक्रामक रुख के बीच अपनी वैश्विक ताकत को बरकरार रखने और विस्तार देने में मदद मिलेगी।

वाल्ट्ज प्रतिनिधि सभा की सशस्त्र सेवा समिति के सदस्य हैं और 'इंडिया कॉकस' के रिपब्लिकन उपाध्यक्ष हैं।

हेली और वाल्ट्स ने प्रतिष्ठित 'फोरेन पॉलिसी' पत्रिका के ताजा संस्करण में लिखा, ''10 लाख से अधिक सैन्यबलों वाली एक परमाणु शक्ति के रूप में, मजबूत होती नौसेना और एक शीर्ष स्तरीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के साथ और अमेरिका के एक पुराने आर्थिक एवं सैन्य सहयोगी के रूप में भारत एक मजबूत साझेदार बनेगा।'' उन्होंने कहा, ''भारत के साथ गठबंधन से दोनों देशों को अपनी वैश्विक ताकत को बरकरार रखने और विस्तार देने में मदद मिलेगी तथा अमेरिका जापान एवं ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर अफगानिस्तान में संभावित आतंकवादी खतरों और चीन के लिए एक वास्तविक अवरोधक बनेगा।'' हेली और वाल्ट्स ने लिखा कि अफगानिस्तान से अमेरिकी बलों की वापसी के बाद केवल भारत ही वहां प्रभावी ढंग से सतर्कता से नजर रख सकता है और केवल वही चीन की गतिविधियों पर नजर रख सकता है। दोनों रिपब्लिकन नेताओं ने कहा कि अमेरिका और भारत के बीच गठबंधन चीन को मध्य एवं दक्षिणी एशिया में और विस्तार देने से रोकेगा। उन्होंने कहा, ''यह गठबंधन क्षेत्र की बदलती भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को भी पहचानेगा।

भारत के प्रति चीन का हालिया आक्रामक रुख कोई संयोग से नहीं है। यह एक व्यापक योजना का हिस्सा है। भारत के लंबे समय से शत्रु रहे पाकिस्तान से समर्थन मिलने के बाद 'चीन की कम्युनिस्ट पार्टी' (सीसीपी) का हौसला बढ़ा है।''

अफगानिस्तान में महंगाई-सूखे व भुखमरी की मार, खाने के लिए बेटियां बेच रहे लोग !

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान राज के बाद सूखे, भुखमरी और राजनीतिक उथल-पुथल के कारण हालात बद से बदतर हो चुके हैं। लोग आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण समस्याओं का सामना कर रहे हैं । टोलोन्यूज की रिपोर्ट के अनुसार निवासियों ने कहा कि आर्थिक मंदी और ऊंची कीमतों ने समस्याएं पैदा कर दी हैं । सर्दियों का मौसम आ रहा है और बाजारों में भोजन सहित प्राथमिक वस्तुएं की ऊंची कीमतों के कारण उनकी पहुंच से हो चुकी है। अफगानिस्तान की आधी से ज्यादा आबादी यानि करीब ढाई करोड़ लोगों को अगले महीने नवंबर से भुखमरी का सामना करना पड़ सकता है और इस देश के कई हिस्सों में इसकी शुरुआत हो चुकी है। वर्ल्ड फूड प्रोग्राम (एएफपी) की रिपोर्ट के मुताबिक अफगानिस्तान के गरीब इलाकों में लोग खाने के लिए अपनी बेटियां तक बेच रहे हैं। यहां के एक दुकानदार अब्दुल मारूफ ने कहा कि 'घरेलू उत्पादन पर्याप्त नहीं है। कीमतें अधिक हैं क्योंकि सामान आयात किया जाता है।' इस बीच किसानों ने हाल के सूखे के कारण पिछले वर्षों की तुलना में उपज में गंभीर कमी की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। किसानों ने जोर देकर कहा कि इस साल का सूखा पिछले वर्षों की तुलना में अधिक गंभीर है। खेतों की सिंचाई के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कुएं सूख गए हैं। एक किसान नसरतुल्लाह ने कहा, 'पांच साल पहले, स्थिति अच्छी थी क्योंकि पहाड़ों

से पानी बहता था अब कुएं और झरने सूख गए हैं।'

फाहिमा नाम की महिला ने बातचीत में बताया कि उनके पति ने अपनी 6 साल और डेढ़ साल की बेटियों को बेच दिया है। फाहिमा ने कहा कि वे कई बार रो चुकी है क्योंकि उसके पति ने पश्चिमी अफगानिस्तान में सूखे से बचने के लिए अपनी दोनों बेटियों को शादी के लिए बेचा है। फाहिमा ने कहा कि मेरे पति ने मुझे बताया कि अगर हम अपनी बेटियों को नहीं देते हैं, तो हम सभी मर जाएंगे क्योंकि हमारे पास खाने के लिए कुछ नहीं है। मुझे अपनी बेटियों को यूं पैसों में बेचने पर बहुत बुरा लगता है लेकिन हमारे पास कोई विकल्प नहीं है।

एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिमी अफगानिस्तान के एक गांव की महिला ने भी अपनी बेटी को 500 डॉलर में बेच दिया ताकि बाकी बच्चों के खाने का इंतजाम हो सके। महिला ने कहा, 'मेरे दूसरे बच्चे भूख से मर रहे थे इसलिए हमें अपनी बेटी को बेचना पड़ा। मैं कैसे दुखी ना होऊं? वो मेरी बच्ची है। काश, मुझे अपनी बेटी को नहीं बचना पड़ता।' फाहिमा की एक और पड़ोसी गुल बीबी का कहना है कि इस क्षेत्र में बहुत सारे लोग बाल-विवाह के सहारे मिलने वाले पैसों से गुजर-बसर कर रहे हैं। गुल बीबी खुद अपनी एक बेटी को बेच चुकी हैं।

गरीबी, भूख की तड़प और अपने ही बच्चों को बेचने के चलते इन लोगों की मानसिक स्थिति भी बेहद खराब हो चुकी है। हालांकि बच्चियों को शादी के लिए खरीदने वाले शख्स ने दावा किया कि वह अपने बेटे के लिए लड़की की परवरिश करना चाहता है। हालांकि, उसके इस दावे की कोई गारंटी नहीं है। उसने 250 डॉलर का भुगतान कर दिया है जिससे परिवार का कुछ दिनों तक गुजारा हो सकेगा और वह बच्ची को तब अपने साथ ले जाएगा जब वह चलना सीख जाएगी। इस बीच कृषि, सिंचाई और पशुधन मंत्रालय (मेल) ने कहा कि अफगानिस्तान एक आयातक देश है और इसका अधिकांश सामान पड़ोसी देशों से आता है । तालिबान के कार्यवाहक मेल मंत्री अब्दुलरहमान राशिद ने कहा, 'गेहूं और चावल ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान, कजाकिस्तान और पाकिस्तान से आयात किए जाते हैं। हमें इन सामानों की जरूरत है क्योंकि अफगानिस्तान एक आत्मनिर्भर देश नहीं है।'

सीआरएस रिपोर्ट में दावा: भारतीय सेना रूसी उपकरणों के बगैर प्रभावी ढंग से काम नहीं कर सकती

काबुल। कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस (सीआरएस) की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि भारतीय सेना रूसी आपूर्ति वाले उपकरणों के बिना प्रभावी ढंग से काम नहीं कर सकती और निकट भविष्य में भारत की रूस की हथियार प्रणालियों पर निर्भरता बनी रहेगी। सीआरएस ने अपनी रिपोर्ट 'रूसी हथियार बिक्री और रक्षा उद्योग' में कहा है, 'भारत और उसके बाहर कई विश्लेषकों का निष्कर्ष है कि भारतीय सेना रूसी उपकरणों के बिना प्रभावी ढंग से काम नहीं कर सकती और निकट भविष्य में रूसी हथियार प्रणालियों पर उसकी निर्भरता जारी रहेगी'। दरअसल, यह रिपोर्ट बाइडन प्रशासन के उस महत्वपूर्ण फैसले से पहले आई है, जिसमें बाइडन प्रशासन को भारत की रूस से सैन्य हथियार की खरीद को सीमित करना होगा।

अपनी रिपोर्ट में सीआरएस ने कहा कि 2016 से चल रही रूस निर्मित वायु रक्षा प्रणाली एस-400 को खरीदने की भारत की योजना पर अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सैंक्शंस एक्ट (सीएटीएसए) की धारा 231 के तहत अमेरिकी रोक लग सकती है। इस कानून के तहत अमेरिका अपने सभी सहयोगियों और साझेदारों से, रूस से किसी भी प्रकार के सैन्य लेन-देन को तत्काल रोकने का आग्रह करता है और ऐसा न होने पर इन देशों को अमेरिका द्वारा अपने प्रतिद्वंद्वियों के विरोध हेतु बनाए गए दंडात्मक सीएटीएसए का सामना करना पड़ सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2010 के बाद से रूस सभी भारतीय हथियारों के लगभग दो-तिहाई (62

प्रतिशत) आयात का स्रोत रहा है और भारत सबसे बड़ा रूसी हथियार आयातक रहा है, जिसकी रूसी हथियार निर्यात लगभग एक-तिहाई (32 प्रतिशत) हिस्सेदारी है।

सीआरएस स्वतंत्र विषयों के विशेषज्ञों के जरिए विभिन्न मुद्दों पर समय-समय पर रिपोर्ट तैयार करता है। इसकी रिपोर्टें कांग्रेस की आधिकारिक रिपोर्ट नहीं हैं और सांसदों को निर्णय लेने में मदद करने के लिए तैयार की जाती है। रिपोर्ट में एक ग्राफिक के जरिए दिखाया गया है कि 2015 के बाद से नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में रूस से उपकरणों के आयात में लगातार गिरावट आई है। सीआरएस ने कहा कि हाल की मीडिया रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि भारत एस-400 को शामिल करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है जिसकी पहली आपूर्ति 2021 में निर्धारित है और जिसे 2023 की शुरुआत तक पूरा किया जाएगा। इसने कहा कि अगस्त 2021 में रूसी अधिकारियों ने बताया कि एस-400 की आपूर्ति 2021 के अंत तक शुरू हो जाएगी।

हमारी पहचान काम के आधार पर होनी चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)।

लोकतंत्र को लेकर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के मौके पर गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत की आजादी को 75 वर्ष हो गए हैं। जब हम आजाद हुए, हमारे देश की संविधान सभा बनी, संविधान सभा ने मल्टी पार्टी डेमोक्रेटिक सिस्टम को स्वीकार किया। बहुत सोच समझकर स्वीकार किया गया था, जो उचित फैसला था। उन्होंने कहा कि इतना बड़ा देश, इतनी विविधताओं वाला देश, किसी व्यक्ति के आधार पर चुनकर नहीं आना चहिए। मल्टी पार्टी डेमोक्रेटिक सिस्टम होना चाहिए, हर पार्टी की एक आईडियोलॉजी होनी चाहिए। शाह ने कहा कि हमारी पहचान काम के आधार पर हो। पीएम मोदी को मुझसे बेहतर देश की जनता जानती है। शाह ने कहा कि साल 2014 आते-आते देश में राम-राज की परिकल्पना ध्वस्त हो चुकी थी। जनता के मन में ये आशंका थी कि कहीं हमारी बहुपक्षीय लोकतांत्रिक संसदीय व्यवस्था फेल नहीं हो गई। लेकिन देश की जनता ने धैर्य से फैसला देकर पीएम नरेन्द्र मोदी जी को पूर्ण बहुमत के साथ देश का शासन सौंपा। मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री बने तब उन्होंने कई सारे बदलाव लाने का प्रयास किया। बहुत सारे कार्य उन्होंने गुजरात में किए। रिफॉर्म्स, पारदर्शिता पर उन्होंने काम किए। उन्होंने वहां सर्व स्पर्शी और सर्व समावेशक विकास की शुरुआत की।

शाह ने कहा कि 2001 में, भाजपा ने फैसला किया कि मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री बनेंगे। यह एक दुर्लभ अवसर था, क्योंकि उन्हें तब तक प्रशासन चलाने का कोई वास्तविक अनुभव नहीं था। कच्छ भूकंप का सामना करने के बाद राज्य काफी दबाव में था।पीएम मोदी ने सीएम रहते हुए चीजों को बदलने की कोशिश की और विकास और पारदर्शिता पर बहुत काम किया।

जब मोदी गुजरात के सीएम बने,तब राज्य में 67 प्रतिशत नामांकन और 37 प्रतिशत ड्रॉपआउट थे। उन्होंने लिंगानुपात और शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम शुरू किया। इसने अंततः 100 प्रतिशत नामांकन देखा और यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए कि ड्रॉपआउट अनुपात लगभग शून्य हो जाए।

आतंकवाद, मादक पदार्थो की तस्करी, समुद्री डकैती हिन्द प्रशांत क्षेत्र में नई चुनौतियां बनकर उभरी

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकवाद, मादक पदार्थो की तस्करी, समुद्री डकैती और जलवायु परिवर्तन जैसे गंभीर खतरों के बढ़ने के कारण इनदिनों हिन्द प्रशांत क्षेत्र में नई चुनौतियां उत्पन्न हो गई हैं, जब संसाधनों को लेकर प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है।सिंह ने कहा कि इस क्षेत्र में उत्पन्न चुनौतियों की प्रकृति के विभिन्न देशों पर व्यापक प्रभाव हैं,इसके लिए सहयोगात्मक प्रतिक्रिया की जरूरत है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत नियम आधारति नौवहन व्यवस्था को बनाए रखकर अपने जल क्षेत्र और विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र में वैध अधिकारों एवं हितों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, संसाधनों को लेकर प्रतिस्पर्धा बढ़ी है। रक्षा मंत्री ने कहा कि समृद्धि के स्थिर मार्ग को बनाए रखने के लिये जरूरी है कि इस क्षेत्र की नौवहन क्षमता को प्रभावी, सहयोगी और सहकारी रूप से उपयोग किया जाए। उन्होंने कहा, '' भारत सभी देशों के वैध अधिकारों का सम्मान करने के लिए प्रतिबद्ध है जिसका उल्लेख समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र संधि 1982 में किया गया है। सिंह की यह टिप्पणी उस समय आई है जब हिन्द प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते विस्तारवादी रूख को लेकर वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ रही है और इसके कारण कई देशों को इन चुनौतियों से निपटने के लिये अपनी रणनीति बनाने को मजबूर होना पड़ा है।

रक्षा मंत्री ने इसकी चर्चा की किस प्रकार से समुद्र ने मानव इतिहास में उसकी उत्पत्ति से लेकर संस्कृति सहित विभिन्न आयामों को आकार प्रदान करने का काम किया। उन्होंने कहा कि भारत की दृष्टि से देखें तब पश्चिम में पुरातात्विक खोजों ने मेसोपोटामिया (आज का इराक), दिलमुन (आज का बहरीन), मगान (आज का ओमान) जैसी सभ्यताओं का प्रचीन नौवहन संपर्क रहा।उन्होंने कहा कि नौवहन सम्पर्कों के तहत माल, संस्कृति और सौहार्द्र के आदान प्रदान से अतीत में साझी समृद्धि का आधार बना और यह आज तक बना हुआ है। सिंह ने कहा कि पूर्व की ओर देखें तब समुद्री सम्पर्कों ने श्रीलंका से दक्षिण पूर्व एशिया और कोरिया तक बौद्ध धर्म को ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। उन्होंने इस संदर्भ में रामायण और महाभारत तथा अयोध्या की भारतीय राजकुमारी का कोरिया के राजकुमार से विवाह के उद्धरण का भी उल्लेख किया।

दिग्विजय ने बीजेपी की तुलना हिटलर से की, गृहमंत्री ने कहा, कांग्रेस की चिंता करें

भोपाल ।

मध्यप्रदेश में उपचुनाव का बुधवार को प्रचार का आखिरी दिन है।इसके पहले प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने बीजेपी पर निशाना साधकर बीजेपी की तुलना हिटलर से की है। उन्होंने ट्वीट किया कि चुनाव का आखरी समय आ गया है।भाजपा के लोग कहने वाले हैं, कि हिंदू धर्म खतरे में है,इस बचाने के लिए सभी भाजपा को वोट दें। यही हिटलर करता था और यहीं बीजेपी करती है। दिग्विजय ने ट्वीट में कहा है कि जिस तरह से हिटलर ने जर्मनी को बर्बाद किया। उसी तरह बीजेपी भारत को बर्बाद कर रही है। दरअसल प्रदेश में 1 लोकसभा और 3 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की वोटिंग में 30 अक्टूबर को होनी है।इस लेकर कांग्रेस और बीजेपी के नेताओं में बयानबाजी तेज हो गई है।वहीं ट्वीट को लेकर प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस खतरे में है। हिंदू न खतरे में है, न था और न रहेगा। दिग्विजय सिंह जितनी खतरे में कांग्रेस है, उसकी चिंता करो। अपने घर को संभालो। अगली बरसात में यह दीवार भी ढह जाएगी। बता दें कि खंडवा लोकसभा सीट और पृथ्वीपुर, रैगांव, जोबट विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार का बुधवार को आखिरी दिन है। बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही पार्टियों ने सभी सीटों पर पूरा जोर लगा दिया है। इन सीटों पर 30 अक्टूबर को वोटिंग और 2 नवंबर को मतगणना होनी है।

टीकाकरण की कहानी को राहुल गांधी ने बताया जुमला बोले इससे लोगों का जीवन नहीं बचेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कोविड-19 रोधी टीकाकरण की कहानी के 'जुमला संस्करण' से लोगों की जिंदगी नहीं बचाई जा सकती। उन्होंने एक चार्ट साझा कर यह दावा भी किया कि भारत में ऐसे लोगों की संख्या दूसरे देशों के मुकाबले बहुत ज्यादा है जिन्हें अब तक टीके की एक भी खुराक नहीं मिली है। राहुल गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा एक अंग्रेजी दैनिक में लिखे गए लेख को भी ट्विटर पर साझा किया। इस लेख में सोनिया गांधी ने टीकों की 100 करोड़ से अधिक खुराक दिए जाने को लेकर वैज्ञानिकों और स्वास्थ्यकर्मियों की सराहना की है। लेख में हालांकि उन्होंने यह उल्लेख भी किया है कि बड़ी संख्या में वयस्कों और बच्चों को अब तक टीका नहीं लग पाया है। कांग्रेस ने सोनिया गांधी के लेख के जो अंश अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर साझा किए उसके मुताबिक, उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री इस बात पर जोर देते हैं कि टीकाकरण मुफ्त है, लेकिन अपनी सहूलियत के हिसाब से यह बताना भूल जाते हैं कि टीके सदा मुफ्त ही रहे हैं। यह भाजपा सरकार है जो भारत की सार्वभौमिक मुफ्त टीकाकरण नीति से अलग चली गई।'

निर्वाचन आयोग ने मुख्यमंत्री सरमा को चेतावनी देकर छोड़ा, आचार संहिता का उल्लंघन का मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)।

निर्वाचन आयोग ने 30 अक्टूबर को असम में होने वाले विधानसभा उपचुनाव की प्रचार के दौरान आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने के मामले में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा को बुधवार को चेतावनी देकर माफ कर दिया।आयोग ने अपने आदेश में कहा कि सोच-विचारकर यह रुख अपनाया गया है कि भाजपा के स्टार प्रचारक सरमा ने आदर्श आचार संहिता के संबंध में आयोग द्वारा जारी परामर्श/निर्देश की भावना का उल्लंघन कर कार्य किया। आदेश में कहा गया है कि इसकारण अब आयोग उन्हें चेतावनी जारी करता है और उन्हें भविष्य में और अधिक सावधान रहने, संयम बरतने और सार्वजनिक बयानबाजी करते समय आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों का सख्ती से पालन करने के प्रति आगाह करता है।आयोग ने सरमा को राज्य में विधानसभा उपचुनाव प्रचार के दौरान सड़क एवं अन्य विकास परियोजनाओं का वादा करके आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने को लेकर सोमवार को 'कारण बताओ' नोटिस जारी किया था। आयोग को दो शिकायतें मिली थीं कि सरमा ने असम के मुख्यमंत्री और भाजपा के स्टार प्रचारक के तौर पर भवानीपुर, थोवरा और मारियानी विधानसभा सीटों के लिए प्रचार के दौरान मेडिकल कॉलेज, पुल, सड़कें, उच्च विद्यालय, स्टेडियम और खेल परिसर बनवाने की घोषणाएं कीं।उन्होंने चाय बागान मजदूरों के स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय सहयोग देने की भी घोषणा की।सरमा ने अपने उत्तर में इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि उन्होंने जो घोषणाएं की थीं, वे या तो जारी परियोजनाओं से संबंधित थीं या राज्य सरकार विधानसभा में 2020-20 और 2021-22 के बजट भाषणों में इनकी घोषणा पहले ही कर चुकी है।

समीर वानखेड़े के खिलाफ एनसीबी की 5 सदस्यीय टीम ने शुरू की जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के जोनल अफसर समीर वानखेड़े पर लगे गंभीर आरोपों की जांच-पड़ताल शुरू हो गई है। जिस क्रूज ड्रग्स केस की छानबीन अभी समीर वानखेड़े कर रहे हैं इसी मामले के एक गवाह प्रभाकर सैल ने आरोप लगाए हैं कि शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को छोड़ने के एवज में 25 करोड़ रुपए की डील की गई थी। प्रभाकर सैल ने पैसों की इस लेनदेन में समीर वानखेड़े का नाम लेकर सनसनी मचा दी थी। जिसके बाद अब एनसीबी की विजिलेंस टीम इस मामले की जांच कर रही है। यहां बता दें कि इससे पहले मुंबई पुलिस न भी इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर अपनी जांच शुरू कर दी है। एनसीबी ने इस मामले की जांच के लिए 5 सदस्यों की एक टीम बनाई है। यह टीम बुधवार को दिल्ली से मुंबई पहुंची। एनसीबी के उप महानिदेश ज्ञानेश्वर सिंह ने बताया कि 5 सदस्यों की टीम दिल्ली से मुंबई पहुंच चुकी है। इस टीम का गठन प्रभाकर सैल के आरोपों की जांच के लिए की गई है। एनसीबी कार्यालय से कागजात और सभी रिकॉर्ड लिए गए हैं। इसके अलावा गवाहों को भी बुलाया गया है। हमने मामले की जांच शुरू कर दी है और गवाहों के बयान जल्द लिए जाएंगे। ज्ञानेश्वर सिंह ने कहा कि इस जांच में जिस भी गवाह की जरुरत होगी उसे बुलाया जाएगा, लेकिन मैं अभी किसी का नाम नहीं लूंगा।

ज्ञानेश्वर सिंह ने बताया की समीर वानखेड़े का बयान दर्ज किया जा रहा है। बता दें कि प्रभाकर सैल, किरण गोसावी का बॉडीगार्ड रहा है। प्रभाकर का दावा है कि गोसावी ने आर्यन खान को छोड़ने के लिए 25 करोड़ रुपए की मांग की थी। गोसावी वहीं शख्स है जो आर्यन खान के साथ सेल्फी लेकर चर्चा में आया था। कुछ अन्य तस्वीरों के जरिए यह दावा किया जा रहा है कि गोसावी, समीर वानखेड़े के साथ खड़ा नजर आ रहा है। प्रभाकर का आरोप है कि आर्यन खान को लेकर डील 18 करोड़ में सेटल हुई, जिसमें से एक मोटी रकम समीर वानखेड़े को दिये जाने की बात उसने सुनी। महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक भी समीर वानखेड़े पर आरोप लगा चुके हैं कि वो लोगों को फंसा कर वसूली करते हैं। हालांकि एनसीबी के तेज-तर्रार अफसर माने जाने वाले समीर वानखेड़े इन सभी आरोपों से इनकार करते आए हैं।

40 साल से एकसाथ ट्रैकिंग कर रहे थे दो दोस्त, किन्नौर हिमस्खलन में एकसाथ हुई दोनों की मौत

मुंबई (एजेंसी)।

हिमाचल प्रदेश के किन्नौर इलाके में 23 अक्टूबर को भारी बर्फबारी के दौरान तीन ट्रेकर्स बर्फ में दब गए, जबकि 14 अन्य को बचा लिया गया। मृतकों में से दो डोंबिवली के रहने वाले थे। उनके नाम राजेंद्र पाठक (67) और अशोक भालेराव (66) थे। दोनों बचपन से दोस्त थे और दोनों को ट्रेकिंग बहुत पसंद थी। वे दोनों साथ-साथ ट्रैकिंग पर जाया करते थे। यह ट्रेक उनके जीवन का अंतिम ट्रैक बन गया। डोंबिवली पूर्व के सुरेखा सहकारी समिति के निवासी राजेंद्र पाठक अपने भाई दीपक, पत्नी वैजयंती और बेटे के साथ रह रहे थे। अशोक भालेराव स्नेहगंध सोसायटी, ठकुर्ली में रहते थे। वे स्कूल के दोस्त थे। स्कूल के दोस्त होने के कारण उनके आपस में पारिवारिक संबंध थे। राजेंद्र पाठक को ट्रेकिंग के साथ-साथ संगीत का भी शौक था। वह एक उत्कृष्ट गिटारवादक और हारमोनियम वादक थे। वह हारमोनिका समूह के सदस्य थे। दोनों को ट्रेकिंग का शौक था। वे लगभग 40 वर्षों से एवरेस्ट, सह्याद्री और

हिमालय पर ट्रेकिंग कर रहे थे। इसलिए उन्हें पर्वतारोहण का बहुत अच्छा अनुभव था। उम्र सीमा पार करने के बाद भी वे ट्रेकिंग को पसंद करते थे। वह अधिक उम्र के बाद भी साल में कम से कम एक जगह ट्रेकिंग करने जरूर जाते थे। जैसे ही कोरोना के प्रतिबंधों में ढील दी गई, उन्होंने फिर से ट्रेकिंग शुरू कर दी। उन्होंने मलाड के समूह के साथ हिमाचल प्रदेश में ट्रेकिंग करने का फैसला किया। 16 अक्टूबर को हिमाचल प्रदेश के लिए उड़ान भरने के बाद उन्होंने 17 अन्य लोगों के समूह के साथ ट्रेकिंग शुरू की। 10 दिन का यह ट्रेक 26 अक्टूबर को समाप्त होने वाला था, लेकिन 23 अक्टूबर को किन्नौर क्षेत्र में भारी बर्फबारी ने दो करीबी दोस्तों की जीवन लीला समाप्त कर दी। यह ट्रेक उनके जीवन का अंतिम ट्रेक बन गया। समूह के तीन लोग बर्फ में दब गए, जबकि 14 अन्य को रेस्क्यू कर लिया गया। रविवार को उनके दोस्तों के समूह ने उनकी मौत की सूचना देने के लिए घर पर फोन किया। तीन दिन बाद भी उनके शव घर नहीं पहुंचने से उनके परिजन चिंतित हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, जीवन में स्वतंत्रता का अधिकार सर्वोच्च

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने इजरायली सॉफ्टवेयर पेगासस के जरिए कथित जासूसी के मामले की जांच के लिए विशेषज्ञों की एक समिति का गठन किया है।चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया एनवी रमण, जज जस्टिस सूर्य कांत और जज जस्टिस हिमा कोहली की बेंच ने कहा कि इस तीन सदस्यीय समिति की अगुआई सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज आरवी रवींद्रन करने वाले है। कोर्ट ने समिति से कहा है कि मामले की पूरी जांच कर जल्द रिपोर्ट तैयार करे।अदालत ने कहा है कि मामले की सुनवाई 8 हफ्ते बाद होगी।

कम मात्रा में ड्रग्स खरीद-सेवन ना हो अपराध सुप्रीम कोर्ट में जनहित याजिका दायर

नई दिल्ली । आर्यन खान के नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के शिकंजे में आने के बाद ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस ऐक्ट को लेकर बहस तेज हो चुकी है। इस बीच एक वकील ने सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर करके इस कानून की कुछ धाराओं को चुनौती दी है। याचिका में मांग की गई है कि कुछ ड्रग्स को कम मात्रा में खरीदने या व्यक्तिगत सेवन को गैर आपराधिक बना दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका ऐसे समय पर दायर की गई है, जब हाल ही में सामाजिक न्याय और आधिकारिता मंत्रालय ने भी नरमी की वकालत की है। मंत्रालय की सिफारिश के मुताबिक, कम मात्रा में ड्रग्स की बरामदगी और व्यक्तिगत उपभोग को गैर-अपराधिक बनाया जा सकता है। शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान पर इसी कानून की धाराएं लगी हैं और उनकी जमानत याचिका को एनडीपीएस कोर्ट ने खारिज कर दिया है। आर्यन खान पर अधिनियम की धारा 27 लगाई गई है, जिसमें किसी भी मादक पदार्थ के सेवन के लिए एक साल तक की कैद या 20,000 रुपए तक जुर्माना या दोनों का प्रावधान है। यह ड्रग्स के आदी या पहली बार इस्तेमाल करने वाले में फर्क नहीं करता। सामाजिक न्याय और आधिकारिता मंत्रालय ने सलाह दी है कि जिनके पास कम मात्रा में ड्रग्स मिले उन्हें जेल की सजा की जगह रीहबिलटैशन के लिए भेजाना चाहिए।

ई-कॉमर्स कंपनियों पर मोदी सरकार की ढ़ेडी नजर, एक साल में 202 नोटिस

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने ई-कॉमर्स कंपनियों की वेबसाइट पर सूचीबद्ध उत्पादों की मैन्युफैक्चरिंग के स्रोत देश के बारे में गलत जानकारी देने पर एक साल में उन्हें 202 नोटिस जारी किए हैं। अधिकतर नोटिस इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से संबंधित हैं।इसके बाद कपड़ा और घरों में उपयोग होने वाले उत्पादों का स्थान है। कुल 217 नोटिसों में से 202 नोटिस मैन्युफैक्चरिंग स्रोत देश से जुड़े नियमों के उल्लंघन को लेकर है। शेष 15 नोटिस मियाद-समाप्ति की तारीख, मैन्युफैक्चरर/आयातक के पते की गलत जानकारी, अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) से ज्यादा वसूलना, गैर-मानक इकाइयां और शुद्ध मात्रा में गड़बड़ी को लेकर दिए गए। हालांकि उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने उन ई-कॉमर्स कंपनियों का नाम नहीं बताया, जिन्हें नोटिस दिए गए हैं। यह पूछने पर कि आखिर सरकार नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों के नाम क्यों नहीं सार्वजनिक कर रही, उपभोक्ता मामलों की सचिव लीना नंदन ने कहा, ''हम इसके जरिए कंपनियों और उपभोक्ताओं दोनों को सतर्क करने का प्रयास कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि कंपनियों को इसकी जानकारी होनी चाहिए कि उपभोक्ताओं की शिकायतों के समाधान के संदर्भ में सब किया जाता है, जो कानूनी रूप से बनाए रखने योग्य है। और उपभोक्ताओं को अपने अधिकारों को जानने की जरूरत है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) की मुख्य आयुक्त और मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव निधि खरे ने कहा, लगभग 76 कंपनियों ने अपनी गलतियों को स्वीकार कर उनसे नियमों के उल्लंघन को लेकर 42,85,400 रुपए वसूले गए।''

दिव्यांगों की हवाई यात्रा सुविधाजनक बनाने के लिए मसौदा दिशानिर्देश जारी

नई दिल्ली । नागर विमानन मंत्रालय ने विमानन क्षेत्र के हितधारकों, जैसे एयरलाइन कंपनियों और हवाई अड्डों के लिए मसौदा दिशानिर्देश जारी किए, ताकि दिव्यांगों के लिए यात्रा को सुविधाजनक बनाया जा सके। अभिनेत्री एवं नृत्यांगना सुधा चंद्रन ने गत सप्ताह सोशल मीडिया पर वीडियो डाल कर यह बताया था कि किसी भी हवाई अड्डे पर उन्हें हर बार सुरक्षा जांच के समय अपना 'कृत्रिम' पैर निकालना पड़ता है। मसौदा दिशानिर्देश के अनुसार, हवाई अड्डे के संचालकों को दिव्यांगों के लिए विशेष प्रबंध करना आवश्यक होगा जिससे कि यह प्रक्रिया यात्री की निजता और सम्मान को ध्यान में रखते हुए पूरी की जा सके।

सिलसिलेवार किए गए थे सात धमाके

पीएम मोदी की हुंकार रैली में विस्फोट केस में नौ लोग दोषी करार, एक को रिहा किया, एक नवंबर को सुनाई जाएगी सजा

पटना (एजेंसी)।

भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी की चुनावी सभा के दौरान गांधी मैदान और पटना जंक्शन सहित शहर के कई इलाकों में सिलसिलेवार धमाके करने वाले नौ आतंकियों को एनआइए कोर्ट एक नवंबर को सजा सुनाएगी। इस मामले में अदालत ने एक आरोपी फकरुद्दीन को रिहा कर दिया है। जबकि, हैदर अली, नुमान अंसारी, मजीबुल्लाह, उमर सिद्दिकी, फिरोज असलम और इम्तियाज आलम को सजा सुनाने के लिए एन नवंबर तिथि घोषित की है। उल्लेखनीय है कि आठ साल पहले आज ही के दिन पटना में सिलसिलेवार बम धमाके हुए थे। उस समय नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे और भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद पटना के गांधी मैदान में हुंकार रैली को संबोधित करने आए थे।

आज से ठीक आठ साल पहले पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में नरेन्द्र मोदी की हुंकार रैली में सिलसिलेवार बम धमाके हुए थे। मोदी तब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार थे। इसके अलावा पटना जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या 10 पर भी बम धमाका हुआ था। इन धमाकों में छह लोगों की मौत हुई थी। जबकि, 80 से अधिक लोग घायल हुए थे। संयोग देखिए कि ठीक इसी तारीख को आठ साल बाद बुधवार को एनआइए की विशेष कोर्ट ने दोषियों को चिह्नि त कर लिया है। इस मामले में अब तक कोर्ट में 187 लोगों की सुनवाई हो चुकी है। इसी माह की छह तारीख को एनआइए की विशेष अदालत ने बचाव और अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत में दिए गए लिखित तर्क के बाद फैसले की तारीख 27 अक्टूबर निर्धारित की थी।

इस मामले में दोनों पक्षों की बहस पूरी हो चुकी है। आज सुबह सभी आरोपियों को एनआइए कोर्ट में पेश किया गया। करीब एक घंटे की सुनवाई के बाद कोर्ट ने नौ लोगों को दोषी करार दिया। मामले की जांच कर रही एनआइए की टीम ने 2014 में मुख्य आरोपी रांची निवासी इम्तियाज अंसारी समेत 10 के खिलाफ एनआइए कोर्ट में चार्जशीट दायर की थी। सभी आरोपियों को बेउर जेल में कड़ी सुरक्षा में रखा गया है। गांधी मैदान सीरियल ब्लास्ट मामले की प्राथमिकी 27 अक्टूबर, 2013 को पटना के गांधी मैदान थाने में दर्ज की गई। इसके बाद 31 अक्टूबर, 2013 को एनआइए ने केस संभाला और एक नवंबर को दिल्ली एनआइए थाने में इसकी फिर से प्राथमिकी दर्ज की गई। इसमें नाबालिग समेत 12 के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया था ।

उनमें एक की मौत इलाज के दौरान ही हो गई थी। वहीं जुवेनाइल बोर्ड द्वारा नाबालिग आरोपी को पहले ही तीन वर्ष की सजा सुनाई जा चुकी है। इस मामले में आरोपी पांच आतंकियों को अन्य मामले में पहले ही उम्रकैद की सजा दी जा चुकी है। इसमें उमर सिद्दीकी, अजहरुद्दीन, अहमद हुसैन, फकरुद्दीन, फिरोज आलम उर्फ पप्पू, नुमान अंसारी, इफ्तिखार आलम, हैदर अली उर्फ अब्दुल्ला उर्फ ब्लैक ब्यूटी, मो मोजीबुल्लाह अंसारी व इम्तियाज अंसारी उर्फ आलम शामिल हैं। इनमें से इम्तियाज, उमेर, अजहर, मोजिबुल्लाह और हैदर बोधगया सीरियल बम ब्लास्ट में भी उम्रकैद की सजा हो चुकी है। गांधी मैदान विस्फोट में पटना से गिरफ्तार इम्तियाज रांची के धुर्वा थाना क्षेत्र के सीठियो इलाके का रहने वाला है। जांच टीम के अनुसार, इसी के घर पर सीरियल ब्लास्ट की साजिश रची गई थी। जांच टीम का कहना है कि उसने बताया था कि मुजफ्फरनगर दंगे का बदला लेने के लिए ये धमाके किए गए थे।

सिलसिलेवार किए गए थे सात धमाके

पहला धमाका : सुबह 9:30 बजे : पटना जंक्शन के प्लेटफार्म नम्बर 10 के शौचालय में पहला विस्फोट किया गया। दूसरा विस्फोट सुबह 11:40 बजे : गांधी मैदान के बाहर उद्योग भवन के पास किया गया। तीसरा धमाका दोपहर 12:05 बजे गांधी मैदान के बाहर रीजेंट सिनेमा के पास किया गया। चौथा धमाका दोपहर 12:10 बजे गांधी मैदान में बापू की पुरानी प्रतिमा के पास किया गया।

पांचवां धमाका दोपहर 12:15 बजे गांधी मैदान के दक्षिणी हिस्से में ट्विन टावर के पास किया गया। छठा धमाका दोपहर 12:20 बजे गांधी मैदान के पश्चिमी हिस्से में स्टेट बैंक के पास किया गया। सातवां धमाका दोपहर 12:45 बजे गांधी मैदान के बाहर चिल्ड्रेन पार्क के पास किया गया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

पहला कॉलम

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर बहुत जल्द भारत के हिस्से में होगा

नई दिल्ली ।

भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर जारी तनाव के बीच भारतीय वायुसेना की पश्चिमी वायु कमान के एयर मार्शल अमित देव ने कहा है कि बडगाम में केवल एआईएफ और सेना की भागीदारी ही नहीं थी, बल्कि कई छोटे मिशन थे, जिसके परिणामस्वरूप मुक्त कश्मीर सुनिश्चित हुआ। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा यकीन है कि एक न एक दिन पाक अधिकृत कश्मीर हमारे हिस्से में शामिल होगा और आने वाले वर्षों में हमारे पास पूरा कश्मीर होगा।बडगाम लैंडिंग के 75 साल पूरे होने पर एयर मार्शल देव ने कहा कि हमें गर्व है कि हमारी सेना ने लंबी लड़ाई के बाद पाकिस्तानी सेना को पीछे धकेलकर पाकिस्तानी मंसूबों पर पानी फेर दिया था। उन्होंने कहा कि अगर उस समय संयुक्त राष्ट्र ने हस्तक्षेप न किया होता,तब आज पूरा कश्मीर हमारे पास होता।मैं कह सकता हूं कि केवल भारतीय वायुसेना और सेना की मदद से ही नहीं कई छोटे-छोटे मिशनों के जरिए हमने कश्मीर को मुक्त कराया था। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर बहुत जल्द भारत के हिस्से में होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना की ताकत लगातार बढ़ रही है। भारतीय सेना अब दुश्मनों के हर हमले का जवाब देने के लिए तैयार है। बता दें कि इससे पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत, सेना प्रमुख जनरल एम. एम.नरवणे ने पैदल सेना दिवस के मौके पर राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि दी।

आक्रामक तरीके से हरित ऊर्जा पर काम कर रही मोदी सरकार, भविष्ट में बहुत कम होगी पेट्रोल की कीमत

पणजी। गोवा भाजपा महासचिव दामू नाइक ने कहा कि केंद्र के आक्रामक तरीके से हरित ऊर्जा पर काम करने से देश में भविष्य में पेट्रोल की कीमत घटकर 10 रुपये होगी। नाइक ने कहा कि पेट्रोल महंगा है, क्योंकि पेट्रोल को भारत में आयात करना पड़ता है, टमाटर के विपरीत जो स्थानीय रूप से उत्पादित होते हैं, और यहां तक कि प्रचुर मात्रा में फसल होने पर मुफ्त में वितरित किया जा सकता है। नाइक ने कहा, इस मुद्दे को समझें। जिस दर से हम आगे बढ़ रहे हैं और विकास की गति तेज है, पेट्रोल भविष्य में 100 रुपये में नहीं, बल्कि 20 रुपये या 10 रुपये दाम पर बेचा जाएगा। नाइक ने कहा, वह (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) हरित ऊर्जा और सौर ऊर्जा पर ध्यान क्यों दे रहे हैं? आपको इन मुद्दों के बारे में सोचना होगा। गोवा में इनदिनों एक लीटर पेट्रोल 104 रुपये में मिल रहा है। नाइक ने स्थानीय रूप से उगाए गए टमाटरों की सादृश्यता की भी पेशकश की,जबकि बताया कि आयातित ईंधन की तुलना में अधिक लागत क्यों है। नाइक ने कहा,हम पेट्रोल का उत्पादन नहीं करते हैं। यहां पेट्रोल का आयात और बिक्री होती है। हम यहां उत्पादित उपज को टमाटर की तरह बेच सकते हैं। अगर टमाटर अधिक हैं,तब उन्हें मुफ्त भी दिया जा सकता है .. पेट्रोल नहीं।

देश में 103.53 करोड़ के पार कोरोना टीकाकरण का आंकड़ा 31 करोड़ को दोनों डोज़

नई दिल्ली। देश में कोरोना महामारी के खिलाफ टीकाकरण अभियान तेजी से चल रहा है। भारत में आज कोरोना टीकाकरण अभियान का 284वां दिन है। कोरोना टीकाकरण अभियान के 284वें दिन आज भारत ने 103.53 करोड़ टीकाकरण के आंकड़े को पार कर लिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, देश में कोविड अभियान के तहत अब तक 103 करोड़ 53 लाख 25 हजार 577 डोज लग चुकी है। आज के दिन अकेले 55 लाख 89 हजार 124 डोज लगाई गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि मंगलवार को कोविड-19 रोधी टीके की 51 लाख खुराक दिये जाने के साथ ही देश में अब तक 103 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं. मंत्रालय ने कहा कि देर रात तक अंतिम रिपोर्ट का संकलन होने पर प्रतिदिन के टीकाकरण की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, टीकाकरण अभियान के तीसरे चरण की शुरूआत होने के बाद से 18-44 वर्ष आयु समूह को 41,10,37,440 पहली खुराक और 13,11,13,078 दूसरी खुराक दी गई हैं। मंत्रालय ने कहा कि अब तक कुल 72,13,19,294 पहली खुराक और 31,35,17,300 दूसरी खुराक दी गई हैं। इसने कहा कि कोविड-19 टीकाकरण का आंकड़ा मंगलवार को 103 करोड़ (1,03,48,36,594) को पार कर गया।

विधानसभा चुनाव से पहले जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाए : कांग्रेस

जम्मू ।

कांग्रेस की जम्मू-कश्मीर इकाई ने विधानसभा चुनाव से पहले केन्द्र शासित प्रदेश को फिर से राज्य का दर्जा देने की मांग की है। कांग्रेस ने दावा किया कि केन्द्र शासित प्रदेश के लोग चुनाव कराने संबंधी गृहमंत्री अमित शाह के रोडमैप से खुश नहीं हैं। अनुच्छेद 370 समाप्त किए जाने के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर के दौरे पर आए गृहमंत्री शाह ने कहा था कि कश्मीर के युवाओं को अवसर मिलें, इसलिए उचित परिसीमन किया जाएगा, इसके बाद ही चुनाव होंगे और फिर राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाएगा। शाह ने कहा मैंने यह देश के संसद में कहा था, और यही रोडमैप है। कांग्रेस की जम्मू-कश्मीर मामलों की प्रभारी रजनी पाटिल की अध्यक्षता में हुई बैठक में पार्टी नेताओं ने केन्द्रीय गृहमंत्री के बयान पर चर्चा की और पूर्ण राज्य का दर्जा जल्दी बहाल करने की मांग दोहराई। कांग्रेस ने अपने एक बयान में कहा पार्टी के नेताओं ने शाह के बयान पर लोगों के बीच गुस्से से नेतृत्व को अवगत कराया।

संघ के कार्यक्रम में शाह ने कहा,

नरेंद्र मोदी आजाद भारत के सफल से सफल प्रधानमंत्री

उनके नेतृत्व में देश के पासपोर्ट का मान बढ़ा और सीमाएं भी सुरक्षित हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नरेंद्र मोदी को आजाद भारत का सफल से सफल प्रधानमंत्री करार देकर कहा कि उनके नेतृत्व में ना सिर्फ देश के पासपोर्ट का मान बढ़ा है, बल्कि सीमाएं भी सुरक्षित हुई हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ी संस्था रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी की ओर से ''प्रदत्तकारी लोकतंत्र - सरकार के मुखिया के रूप में नरेंद्र मोदी के दो दशकों की समीक्षा'' विषय पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित कर शाह ने कहा कि गरीब से गरीब व्यक्ति के जीवन स्तर को उठाना, देश को सुरक्षित, समृद्ध, संस्कारित व शिक्षित बनाना और देश के गौरव को दुनिया में ऊपर तक ले जाने जैसे काम इकट्ठे होते हैं तब एक सफल शासन बनता है।उन्होंने कहा, ''इन सभी को जो इकट्ठा करता है,वहीं सफल शासक बनता है। नरेंद्र मोदी अपने आप को भले ही विनम्रता पूर्वक प्रधान सेवक कहें, लेकिन मैं कह सकता हूं कि सफल से सफल प्रधानमंत्री आजादी के बाद अगर कोई है,तब वह नरेंद्र मोदी हैं।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने इन सारे बिन्दुओं को समाहित कर भारत के गौरव और भारत के विकास का गुलदस्ता बनाया है। इस मौके पर शाह ने विपक्ष पर भी निशाना साधकर कहा कि साल 2014 आते-आते देश में राम-राज की परिकल्पना ध्वस्त हो चुकी थी और जनता के मन में आशंका थी कि कहीं बहुपक्षीय लोकतांत्रिक संसदीय व्यवस्था विफल,तो नहीं हो गई।उन्होंने कहा, लेकिन देश की जनता ने धैर्य से फैसला देकर नरेन्द्र मोदी को पूर्ण बहुमत के साथ देश का शासन सौंपा।'' अंतरराष्ट्रीय पटल पर देश का मान बढ़ाने के लिए पीएम मोदी का आभार जताकर शाह ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद विश्व पटल पर उन्होंने ''भारत की संस्कृति का देवदूत'' बनकर योग और आर्युवेद को दुनिया भर में पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने कहा, मैं मानता हूं कि आजादी के बाद भारत की संस्कृति का ध्वज वाहक बनकर प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त राष्ट्र में भाषण दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के सात साल के अब तक के कार्यकाल में हर क्षेत्र के अंदर परिवर्तन कर सुधार किया है। गरीब से गरीब व्यक्ति को आर्थिक सुधार के केंद्र में रखने का हवाला देकर शाह ने कहा कि मोदी ने विकास दर को मानवीयता के साथ जोड़ा। उनका मानना है कि विकास दर बढ़नी चाहिए लेकिन साथ ही इसका लाभ गरीब और जरूरतमंदों को भी मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, ''उनके (मोदी) सुधार गरीबों की आवश्यता पर आधारित हैं...नरेंद्र मोदी ने देश के पासपोर्ट

का मान बढ़ाया है। इस बात का हमें गौरव है। समग्र विकास का मतलब क्या है, देश की सुरक्षा को सुनिश्चित करना... उरी और पुलवामा में जो हुआ...सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक से दुनिया भर के अंदर संदेश गया कि अब भारत की सीमाओं के साथ छेड़खानी नहीं हो सकती।''

केंद्र सरकार का सभी मीडिया हाउस को निर्देश आजादी का अमृत महोत्सव का लोगो दिखाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्र सरकार ने प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया को निर्देश दिया कि वो 'आजादी का अमृत महोत्सव' के लोगो को दिखाएं। केंद्र सरकार की तरफ से कहा गया है कि आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के मौके पर देश भर में मनाए जा रहे 'आजादी का अमृत महोत्सव' कैंपेन के तहत इस लोगो को दिखाया जाए। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने कहा, 'प्राइवेट मीडिया देशभक्ति की भावना जगाने और राष्ट्रीय उपलब्धियों को बताने में हमेशा आगे रहती हैं।

इसलिए यह सलाह दी जाती है कि जश्न के इस मौके पर इस लोगो का इस्तेमाल किया जाए ताकि लोगों को भारत के स्वर्णिम इतिहास और बेहतर भविष्य के संकल्प के बारे में पता चल सके।' मंत्रालय की तरफ से कहा गया है कि प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के साथ-साथ प्राइवेट टीवी चैनल इस लोगो को दिखाएं। इससे सभी को 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत देश भर में चलाए जा रहे कार्यक्रमों को बारे में जानकारी मिलेगी। इस कैंपेन के तहत देश स्वतंत्रता की लड़ाई के बेहतरीन इतिहास का जश्न मना रहा है तो वही 75 साल में देश ने सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक विकास के सफर को तय किया है उसका जश्न मनाया जा रहा है। 'आजादी का अमृत महोत्सव' इसी साल 12 मार्च से मनाया जा रहा है और यह उत्सव 15 अगस्त, 2023 को खत्म होगा।

इसके तहत केंद्र/राज्य/केंद्र शासित प्रदेश की सरकारें और अन्य संगठनों द्वारा अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। मंत्रालय की तरफ से कहा गया है कि विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्म 'आजादी का अमृत महोत्सव' का लोगो न्यूज कार्यक्रमों, रिपोर्ट, बुलेटिन के समय कर सकते हैं।

स्मृति ईरानी का विपक्ष पर हमला, कहा

हर विकास कार्य का दे सकती हूं हिसाब

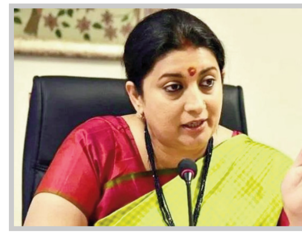

(एजेंसी)।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने बुधवार को रायबरेली से कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि सोनिया के विपरीत वह अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में किए गए सभी विकास कार्यों का हिसाब दे सकती हैं। अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र अमेठी में पड़ने वाले रायबरेली जिले के सलोन क्षेत्र स्थित ममुनी गांव में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा सांसद ने कहा, ÷जिले में दो सांसद हैं। आप गर्व के साथ कह सकते हैं कि हमारी भाजपा सांसद हमारी दीदी आपके बीच आकर यहां किए गए सभी विकास कार्यों का हिसाब दे सकती हैं।' स्मृति ने किसी का नाम लिए बगैर कहा, ÷दूसरों से पूछिए कि क्या उनकी सांसद यह हिसाब दे सकती हैं कि कहां पर खड़ंजा बनाया गया और कहां नालियां साफ की गईं।' केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'आपको हिसाब इसलिए दिया जा सकता है क्योंकि आपने एक ऐसी जनप्रतिनिधि को चुना है जो आपके बीच आकर विकास कार्यों का विवरण दे सकती है।' कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी रायबरेली सीट से सांसद हैं। वहीं, स्मृति ईरानी ने पिछले लोकसभा चुनाव में अमेठी सीट से सोनिया के पुत्र राहुल गांधी को पराजित किया था। स्मृति ने अपने इस दौरे के दौरान गांव में पंचायत भवन का भी उद्घाटन किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि पिछले दो वर्षों के दौरान इस गांव में 90 लाख रुपये की लागत से विकास कार्य किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि उनके पास इनके वीडियो और तस्वीरें भी सबूत के तौर पर मौजूद हैं और वह केवल अधिकारियों द्वारा दिए गए कागजों पर ही भरोसा नहीं करतीं। इससे पहले उन्होंने गांव के एक स्कूल का दौरा किया और बच्चों से बातचीत की।

कैप्टन का विरोधियों को जबाव, मैंने पंजाब में अपने ज्यादातर वादे पूरे किए

चंडीगढ़ । पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने बुधवार को प्रेसवार्ता कर अपनी बात रखी। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि मैंने हमेशा एक सैनिक की तरह काम किया।सुरक्षा के लिहाज से पंजाब संवेदनशील राज्य है, इसकारण राज्य की सुरक्षा मेरे लिए सबसे ज्यादा अहम है। पंजाब को पिछले दिनों बहुत कुछ सहना पड़ा है। मैंने पंजाब में अपने ज्यादातर वादे पूरे किए हैं। पंजाब की सुरक्षा पर कभी समझौता नहीं किया है। उन्होंने कहा कि पंजाब में ड्रोन के जरिए ड्रग्स की तस्करी बड़ी है। कैप्टन ने कहा कि सुरक्षा उपायों को लेकर जो मेरा मखौल उड़ाते हैं,मैं 10 साल सेना में रहा हूं। दूसरी तरफ मैं 9.5 साल पंजाब का गृह मंत्री रहा और संवेदनशील मुद्दे मेरे अधीन थे। जो एक महीने गृह मंत्री रहा,तब कहता है कि वहां मुझसे ज़्यादा जानता है।अमरिंदर ने कहा कि कोई भी परेशान पंजाब नहीं चाहता। हमें समझना चाहिए कि हम पंजाब में बहुत मुश्किल दौर से गुजरे हैं। उन्होंने कहा कि इन 4.5 वर्षों के दौरान जब मैं वहां था, हमने जो हासिल किया है उसके सभी कागजात यहां दिए गए हैं। यह (तस्वीर 2) हमारा घोषणापत्र है जब मैंने पदभार संभाला था। हमने जो हासिल किया है उसका यह हमारा घोषणापत्र है। कैप्टन ने कहा कि मैं एक पार्टी बना रहा हूं। अब सवाल ये है कि पार्टी का नाम क्या है, ये मैं आपको नहीं बता सकता क्योंकि ये मैं खुद नहीं जानता। जब चुनाव आयोग पार्टी के नाम और चिन्ह को मंजूर करता है, मैं आपको बता दूंगा।

भारत में कोरोना से 585 मौतें अकेले केरल में सबसे ज्यादा 482 मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना वायरस का कहर देश में लगातार कम होता दिखाई दे रहा है। लेकिन प्रशासन लगातार सलाह दे रहा है कि कोरोना के खिलाफ अपने सुरक्षा गार्ड को कम नहीं करना है। पिछले 24 घंटों में कोरोना के 13,451 मामले सामने आए हैं, जिसके बाद देश में कुल कोरोना मामलों की संख्या 3,42,15,653 पहुंच गई है। इसके अलावा देश में एक्टिव मामलों की संख्या में भी लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। भारत ने पिछले 24 घंटों में कोरोनो वायरस बीमारी से जुड़ी 585 मौतें दर्ज कीं, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों ने यह जानकारी दी। इनमें से केरल में सबसे ज्यादा 482 मौतें हुईं। देश का रिकवरी रेट भी मार्च 2020 के बाद से सबसे ज्यादा है, वर्तमान में यह 98.19 प्रतिशत है. राहत की बात यह है कि देश में हर रोज जितने लोग कोरोना संक्रमित हो रहे हैं। उससे ज्यादा लोग कोरोना से ठीक हो रहे हैं। पिछले 24 घंटों में 14,021 लोग कोरोना से ठीक हो चुके हैं। देश मे कोरोना से ठीक होने वाले कुल लोगों की संख्या 3,35,97,339 पहुंच गई है। देश में एक्टिव केसों

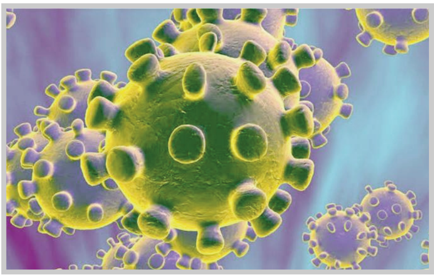

की संख्या 1,62,661 है, जो पिछले 242 दिनों में सबसे कम है। इसके अलावा देश में कोरोना मामलों की पहचान करने के लिए लगातार टेस्टिंग की जा रही है। अब तक कुल 60.32 करोड़ टेस्ट किए जा चुके हैं। लोगों को वायरस से सुरक्षा प्रदान करने के लिए लगातार टीकाकरण अभियान भी बड़े स्तर पर जारी है ।जिसके तहत अब तक कुल 103.53 करोड़ वैक्सीन लगाई जा चुकी हैं। भारत सरकार इस साल के आखिर तक पूरी पात्र आबादी को टीका लगाना चाहती है। इसी सिलसिले में मनसुख मांडविया आज सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ बातचीत करने वाले हैं।

नसीबी ने ड्रग केस में दामाद को गिरफ्तार किया था, इसलिए समीर वानखेड़े को निशाना बना रहे नवाब मलिक : मालवीय

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मुंबई क्रूज ड्रग्स पार्टी केस में महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री और राकांपा नेता नवाब मलिक ने एनसीबी अधिकारी समीर वानखेड़े पर बुधवार को कई आरोप लगाए। नवाब मलिक ने कहा कि क्रूज पर रेव पार्टी के दौरान एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग माफिया भी मौजूद था, जिसे समीर वानखेड़े से निकटता की वजह से छोड़ दिया गया था। नवाब मलिक के आरोपों का भाजपा आईटी सेल के अध्यक्ष अमित मालवीय ने नवाब मलिक के आरोपों का जवाब दिया है उन्होंने आरोप लगाया कि इस खेल में दाढ़ी वाले की मित्रता वानखेड़े से है। ड्रग माफिया वानखेड़े का करीबी दोस्त है। वानखेड़े को बताना चाहिए कि ड्रग माफिया को क्यों जाने दिया गया। उन्होंने कहा कि उन्हीं लोगों ने ये पार्टी आयोजित की थी। मलिक ने कहा खेल तो हो गया, लेकिन खेल का खिलाड़ी दाढ़ी लिए हुए क्यों घूम रहा है, इसका जवाब एनसीबी को देना पड़ेगा। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा बिना महाराष्ट्र सरकार की जानकारी के क्रूज की पार्टी फैशन टीवी ने आयोजित की थी। कोविड प्रोटोकाल होने के बावजूद कोई भी अनुमति महाराष्ट्र पुलिस या राज्य के गृह विभाग से नहीं ली गई थी। इसको चलाने की अनुमति शिपिंग निदेशक से ली गई थी। उन्होंने कहा कि अगर हम समीर वानखेड़े का फर्जीवाड़ा खोल रहे हैं तो पूरी भाजपा क्यों छटपटा रही है? भाजपा आईटी सेल के अध्यक्ष अमित मालवीय ने महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नवाब मलिक के आरोपों का जवाब दिया है। उन्होंने कहा नवाब मलिक एनसीबी और समीर वानखड़े को इसलिए निशाना बना रहे हैं, क्योंकि एनसीबी ने मलिक के दामाद को ड्रग्स के मामले में गिरफ्तार किया था। उनके दामाद समीर खान को 9 महीने बाद इस साल सितंबर में जमानत पर रिहा किया गया था।आर्यन खान को रिहा करने के लिए शाहरुख खान से 25 लाख रुपये की जबरन वसूली के आरोप में केंद्रीय सतर्कता आयोग से जांच की मांग करते हुए मलिक ने कहा केंद्रीय एजेंसी ने पिछले साल सुशांत सिंह राजपूत के मामले में दीपिका पादुकोण और सारा अली खान जैसे बालीवुड अभिनेताओं को बुलाया था, इसी तरह सीवीसी को कथित जबरन वसूली के मामले में वानखेड़े के खिलाफ जांच करनी चाहिए।

सीमा विवाद अभी सुलझा नहीं, द्विपक्षीय संबंधों पर असर डालेगा चीन का नया भूमि कानूनः भारत

नई दिल्ली (एजेंसी):

भारत ने चीन पर 'एकतरफा' ढंग से नया भूमि सीमा कानून लाने के लिये निशाना साधते हुए बुधवार को कहा कि यह चिंता का विषय है क्योंकि इस विधान का सीमा प्रबंधन पर वर्तमान द्विपक्षीय समझौतों तथा सीमा से जुड़े सम्पूर्ण प्रश्नों पर प्रभाव पड़ सकता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि भारत उम्मीद करता है कि चीन कानून के परिप्रेक्ष में ऐसा कोई कदम उठाने से बचेगा जिससे भारत चीन सीमा क्षेत्रों में स्थिति में एकतरफा ढंग से बदलाव आ सकता हो। उन्होंने कहा कि ऐसे 'एकतरफा कदम' का दोनों पक्षों के बीच पूर्व में हुई व्यवस्थाओं पर कोई प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए चाहे सीमा का सवाल हो या वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर अमन एवं शांति बनाये रखने का विषय हो। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह चीन की संसद ने सीमावर्ती इलाकों के संरक्षण और उपयोग संबंधी एक नये कानून को अंगीकार किया है जिसका असर भारत के साथ बीजिंग के सीमा विवाद पर पड़ सकता है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के मुताबिक नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) की स्थायी समिति के सदस्यों ने शनिवार को संसद की समापन बैठक के दौरान इस कानून को मंजूरी दी। इस पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता बागची ने कहा, '' चीन का एकतरफा ढंग से कानून लाने के निर्णय का सीमा प्रबंधन पर हमारे वर्तमान द्विपक्षीय व्यवस्थाओं तथा सीमा से जुड़े सवालों पर प्रभाव पड़ेगा जो हमारे लिये चिंता का विषय है। इस बारे में मीडिया के सवालों पर बागची ने कहा, ''हमें यह जानकारी है कि चीन ने 23 अक्टूबर को नया भूमि सीमा कानून पारित किया है। इस कानून में अन्य बातों के अलावा यह कहा गया है कि भूमि सीमा मामलों पर चीन दूसरे देशों के साथ किये या संयुक्त रूप से स्वीकार किये समझौतों का पालन करेगा।'' उन्होंने कहा कि कानून में सीमावर्ती क्षेत्रों में जिलों का पुनर्गठन करने का भी प्रावधान है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि भारत और चीन ने सीमा के सवालों का अभी तक समाधान नहीं निकाला है और दोनों पक्षों ने समानता पर आधारित विचार विमर्श के आधार पर निष्पक्ष,

व्यवहारिक और एक दूसरे को स्वीकार्य समाधान निकालने पर सहमति व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अमन एवं शांति बनाये रखने के लिये कई द्विपक्षीय समझौते, प्रोटोकॉल एवं व्यवस्थाएं चुके हैं।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com